

कृषि विभाग द्वारा लगातार किया जा रहा है कृषि केंद्रों का निरीक्षण एवं कार्रवाई

उर्वरक गुण नियंत्रण अंतर्गत 48 कार्रवाई एवं कीटनाशक गुण नियंत्रण अंतर्गत 125 संस्थानों का निरीक्षण

महासमुंद्र। जिले में खरीफ सीजन 2026 के लिए किसानों को गुणवत्तापूर्ण खाद एवं प्रमाणित उन्नत बीज उपलब्ध कराने कलेक्टर विनय कुमार लगेह के निर्देशानुसार कृषि विभाग द्वारा जिले में लगातार निगरानी, निरीक्षण एवं कार्रवाई की जा रही है। उप संचालक कृषि एफ .आर. कश्यप के मार्गदर्शन में कृषि विभाग द्वारा किसानों के हित में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि खरीफ 2026 में उर्वरक गुण नियंत्रण 1985 के अंतर्गत उर्वरक विक्रय प्राधिकार पत्र निलंबन एवं निरस्त तथा न्यायालय में प्रस्तुत प्रकरण के तहत अप्रैल 2026 से



अभी तक 48 कार्रवाई की गई है जिसमें न्यायालय में प्रस्तुत प्रकरण 03, निरस्त 01, जब्त की कार्रवाई 05 निलंबन की कार्रवाई 26 तथा विक्रय पर प्रतिबंध 13 दुकानों में लगाई गई है। इसी तरह कीटनाशक

गुण नियंत्रण अंतर्गत 125 संस्थाओं में निरीक्षण किया गया है जिसमें से 05 संस्थानों पर विक्रय प्रतिबंध लगाया गया है तथा एक केंद्र हेतु अभियोजन की अनुमति हेतु प्रेषित किया गया है। निरीक्षण के दौरान

संबंधित खाद से बीज विक्रेताओं के यहां निर्धारित मानकों के अनुरूप अनियमितताएं पाए जाने पर कृषि विभाग द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित फर्मों पर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा खाद बीज की गुणवत्ता और आपूर्ति व्यवस्था पर लगातार निगरानी जारी रहेगी। उप संचालक कृषि कश्यप ने जिले के किसानों से अपील की है कि वे खाद बीज खरीदते समय अधिकृत विक्रेता से ही बीज लें तथा खरीदी का बिल अवश्य प्राप्त करें और पास मशीन से ही

खरीदें। यदि किसी प्रकार की अनियमितता या शिकायत हो तो किसान अपने क्षेत्र के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी अथवा उप संचालक कृषि कार्यालय, महासमुंद्र में शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य शासन का उद्देश्य किसानों को उन्नत बीज एवं उर्वरकों की समय पर और सुगमता से उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इसके लिए विभाग द्वारा नियमित निरीक्षण एवं आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। किसी भी भ्रामक जानकारी पर किसानों को अपने निकटम कृषि कार्यालयों में संपर्क करने अपील की गई है।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जीएनएम ट्रेनिंग सेंटर में जागरूकता व्याख्यान आयोजित

मानसिक रोगों के प्रति प्रतीतियां दूर करना और समय पर उपचार जरूरी : डॉ. सर्वेश दूबे

महासमुंद्र। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर खैरा स्थित जीएनएम ट्रेनिंग सेंटर में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर शासकीय आयुष्य पॉली क्लिनिक महासमुंद्र के आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. सर्वेश दूबे ने प्रशिक्षणार्थियों एवं कर्मचारियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, मानसिक रोगों के सामान्य लक्षण, भ्रवाच एवं उपचार के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। डॉ. दूबे ने अवसाद, चिंता, तनाव, अनिद्रा एवं अन्य मानसिक विकारों पर चर्चा करते हुए कहा कि मानसिक रोगों को कमजोरी या सामाजिक कलंक के रूप में नहीं देखना चाहिए। समय पर पहचान, उचित



परामर्श एवं उपचार से प्रभावित व्यक्ति को बेहतर सहायता प्रदान की जा सकती है। उन्होंने नियमित दिनचर्या, संतुलित आहार, पर्याप्त नींद, योग, प्राणायाम, ध्यान एवं सकारात्मक सामाजिक सहयोग को मानसिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण बताया। साथ ही आयुर्वेद में वर्णित स्वस्थ आहार-विहार एवं

महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने तथा मानसिक समस्याओं से जुड़ा रहे व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने की अपील की। कार्यक्रम में आयुष्य पॉली क्लिनिक के फार्मासिस्ट नरेश कुमार गायकवाड़ ने सहयोग प्रदान किया।

निर्माणाधीन मकान से 3 लाख का इलेक्ट्रॉनिक व प्लंबिंग सामान पार : चोर व खरीददार पकड़ा

कोतवाली टीम की कार्रवाई, बिजली वायर से लेकर स्ट्रीट लाइट बरामद

कोरबा। शहर में निर्माणाधीन मकान से इलेक्ट्रॉनिक और प्लंबिंग संबंधी सामान चोरी करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें चोरी की वारदात को अंजाम देने के आरोपियों के साथ चोरी का सामान खरीदने के आरोपी भी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और उनकी निशानदेही पर करीब तीन लाख रुपये कीमत का चोरी का सामान बरामद किया है। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार, प्रार्थी गुलशन वासन के निर्माणाधीन मकान से 2 अक्टूबर से 6 अक्टूबर 2026 के बीच इलेक्ट्रॉनिक एवं प्लंबिंग संबंधी सामान चोरी हो गया था। मामले की शिकायत मिलने पर कोतवाली पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। कार्रवाई के दौरान तकनीकी साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर संदिग्धों की पहचान की गई। छांच के दौरान पुलिस ने चोरी करने तथा चोरी का सामान खरीदने के आरोप

में छह लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे और उनकी निशानदेही पर बिजली के वायर, स्विच बोर्ड, लाइट, ट्रेक लाइट, स्ट्रीट लाइट, प्लंबिंग सामग्री सहित अन्य सामान बरामद किया गया। जब्त सामग्री की कुल कीमत लगभग तीन लाख रुपये आंकी गई है। कोतवाली पुलिस थाना प्रभारी प्रेमचंद साहू ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में पुरानी बस्ती खान (21 वर्ष), रईस खान (21 वर्ष) और साहिम खान (19 वर्ष) शामिल हैं। इनके अलावा अग्रसेन चैक निवासी मुकेश अग्रवाल (42 वर्ष), दीनदयाल अग्रवाल (59 वर्ष) तथा अग्रवाल मार्ग निवासी नीरज अग्रवाल (47 वर्ष) को भी गिरफ्तार किया। इस मामले में थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 823/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 137/26, 331(4), 305(ए), 317(2) एवं 3(5) के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। कोरबा पुलिस जिले में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार कार्रवाई कर रही है।

धनसीर मंडल कांग्रेस की मासिक बैठक में संगठन की मजबूती



भटागांव। बिलाईगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सलीहा स्थित गोंडवाना समाज भवन में धनसीर मंडल कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष निल कुमार पटेल के नेतृत्व में मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में बिलाईगढ़ विधायक कविता लहर ने मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस दौरान कांग्रेस संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं के बीच आपसी समन्वय तथा क्षेत्र की जनसमस्याओं सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

बैठक में विधायक कविता प्राण लहर ने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने तथा कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं की एकजुटता, समर्पण और सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। जनहित के मुद्दों को प्रार्थमिकता देते हुए आम जनता की समस्याओं के निराकरण के लिए निरंतर प्रयास किया जाना चाहिए। बैठक में बिलाईगढ़ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लालेश देवांगन, विधायक प्रतिनिधि शेखर भट्ट, बिलाईगढ़ अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष आशीष भट्ट, सलीहा सरपंच कन्हैया टंडन, किसान कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष विनोद साहू, किसान नेता सरधा पटेल, जिला कांग्रेस सचिव धनसाय साहू, जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री वृजमोहन चंद्रा, धनसीर मंडल प्रभारी संतोष यादव, पुरगांव मंडल अध्यक्ष अरविंद मनहरण, नगर मंडल अध्यक्ष



यशवंत साहू, पीरदा मंडल अध्यक्ष डीशू सिद्धा तथा नगर बिलाईगढ़ मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र यादव, मिथलेश लहर, हसवंत जांगड़े, अल्पसंख्यक जय चंद्रा, पुरुषोत्तम साहू, सुरेंद्र नेताम, छवि साहू, सलीम नवरत्न, प्रेमसिंग ठाकुर, मनोज नेताम, संतोष सिद्धा, उत्तरा जगत, पवन बरिहा, उत्तम बरिहा, बदरी मैत्री, राजकुमार, अंजोर सिंह बरिहा, गणेश राम नेताम, रमेश साहू, राजू बरिहा, अशोक नेताम, बलि मैत्री सहित

कार्यकर्ताओं की भी सहभागिता रही। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने तथा कांग्रेस संगठन को बृध स्तर तक सशक्त बनाने पर जोर दिया गया। उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जनसेवा और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए संगठन को मजबूत बनाने के लिए मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई।

टोकन के माध्यम से किया जाएगा उर्वरक विक्रय, बढ़ेगी पारदर्शिता

बलौदाबाजार। पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में शीघ्र ही किसानों को टोकन के माध्यम से उर्वरक विक्रय किया जाएगा। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली ने देश भर में उर्वरकों के वितरण, बिक्री और मूल्य नियंत्रण को अधिक पारदर्शी और कुशल बनाने के लिए मर्वक फॉर फर्टिलाइजर सेल (उर्वरक बिक्री रूपरेखा) की घोषणा की है। इस नए फ्रेमवर्क का मुख्य उद्देश्य किसानों को सही समय पर, उचित मूल्य पर और बिना किसी कालाबाजारी के गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराना है। नए फ्रेमवर्क की मुख्य विशेषताएं- उर्वरक की बिक्री मुख्य रूप से ऑनलाइन (पीएस) मशीनों के माध्यम से आधार या अन्य मान्यता प्राप्त पहचान पत्र के बायोमेट्रिक सत्यापन के बाद ही की जाएगी। समान और पारदर्शी वितरण- राज्यों और जिलों में उर्वरक की मांग और उपलब्धता की वास्तविक सम्य निगरानी के लिए इंटीग्रेटेड फर्टिलाइजर मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल का उपयोग मजबूत किया जाएगा।



बलौदाबाजार। दीक्षित परिवार द्वारा जिला चिकित्सालय में फल वितरण।

फसल सर्वेक्षण में लापरवाही पर पांच पटवारियों को किया गया निलंबित

महासमुंद्र। जिले में राजस्व कार्यों में लापरवाही और डिजिटल फसल सर्वेक्षण में निर्धारित लक्ष्य पूरा नहीं करने के मामलों में पांच पटवारियों को निलंबित कर दिया गया है। कलेक्टर विनय कुमार लगेह द्वारा राजस्व कार्यों की समीक्षा के बाद संबंधित अधिकारियों ने यह कार्रवाई की। निलंबित पटवारियों में बसना, सरायपाली, महासमुंद्र और बागबाहरा तहसील में पदस्थ कर्मचारी शामिल हैं। प्रशासन के अनुसार, छत्तीसगढ़ शासन के निर्देश पर वर्ष 2026-27 के डिजिटल कॉप सर्वे के तहत शेष खसरो की गिरदावरी के लिए पटवारियों को खसरा नंबर आवंटित किए गए थे। इन खसरो का भौतिक सत्यापन PV ऐप के माध्यम से कर 30 सितंबर तक कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद कुछ पटवारियों ने कार्य शुरू नहीं किया अथवा प्रगति संतोषजनक नहीं

रही। इससे निर्धारित समय-सीमा में गिरदावरी पूरी करने में परेशानी उत्पन्न हुई। इस संबंध में संबंधित पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। प्रशासन के मुताबिक, प्रस्तुत जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने के बाद निलंबन की कार्रवाई की गई। निलंबित पटवारियों में उदय प्रकाश राजपूत, पटवारी हल्का नंबर-02, तहसील बसना शामिल हैं। उन्हें डिजिटल फसल सर्वेक्षण और गिरदावरी कार्यों में निर्धारित प्रगति नहीं होने के मामले में निलंबित किया गया है। इसी तरह सरायपाली तहसील में पदस्थ जितेंद्र सिंह बाघ पर ग्राम पड़कीपाली की शासकीय जमीन को पटवारी अभिलेख में कथित तौर पर दूसरे कृषक के नाम दर्ज करने का आरोप है। महासमुंद्र तहसील के पटवारी हरीश चंद्राकर पर ग्राम बड़गांव में खसरा नंबर की वास्तविक स्थिति छिपाकर दोबारा

नामांतरण करने का आरोप लगाया गया है। वहीं, बागबाहरा तहसील में पदस्थ पटवारी कंचन साहू और लुकेश यादव को डिजिटल फसल सर्वेक्षण के तहत निर्देशानुसार भौतिक सत्यापन नहीं करने के मामले में निलंबित किया गया है। जारी आदेश के अनुसार, संबंधित पटवारियों के विरुद्ध कदमचरण, अनुशासनहीनता और कर्तव्य के प्रति लापरवाही के मामलों में छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबन की कार्रवाई की गई है। निलंबन अवधि के दौरान संबंधित कर्मचारियों का मुख्यालय निर्धारित तहसील कार्यालय रहेगा। इस अवधि में उन्हें शासन के नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

बैकुंठ सीमेंट वर्क्स की के तहत नगर पंचायत खरोरा को पंपसेट प्रदान सीएसआर

जल सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में कंपनी की पहल

तिल्दा-नेवरा। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड की इकाई बैकुंठ सीमेंट वर्क्स ने सीएसआर के तहत नगर पंचायत खरोरा को जल कनेक्टिविटी बेहतर बनाने के उद्देश्य से सबमर्सिबल पंपसेट प्रदान किए। इस अवसर पर नगर पंचायत खरोरा की अध्यक्ष सुनीता अनिल सोनी उपस्थित रहीं। उन्होंने कंपनी प्रबंधन और सीएसआर विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रतीक भटनागर एफएचएचएचए के मार्गदर्शन में संपन्न इस पहल के संबंध में सांसद प्रतिनिधि अनिल सोनी ने कहा कि बैकुंठ सीमेंट वर्क्स का छत्तक विभाग स्थानीय समुदाय की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जनकल्याण और क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासत है। यह पहल इसी दिशा में एक सार्थक



कदम है। इसका उद्देश्य क्षेत्र में जल सुविधाओं को मजबूत करना और नागरिकों के लिए जल कनेक्टिविटी बेहतर बनाना है। बेहतर जल सुविधाओं से दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ लोगों के स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार लाने में भी मदद मिलती है।

बैकुंठ सीमेंट वर्क्स छत्तक कार्यक्रमों के माध्यम से स्थानीय समुदाय के सहयोग और सात एवं समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर सीएसआर प्रतिनिधि सोनाली गवारपुर, मुन्ना बर्मन सहित नगर पंचायत के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बाउंड्रीवाल तोड़ने का आरोप, नपा अध्यक्ष के खिलाफ कलेक्टर और पुलिस से शिकायत



20-25 साल पुरानी बाउंड्रीवाल को लेकर विवाद शिकायतकर्ताओं के अनुसार, वार्ड क्रमांक 29 स्थित शास्त्री चौक निवासी श्रवण चंद्राकर के पेटक मकान के सामने सुरक्षा की दृष्टि से करीब 20-25 वर्ष पहले अहाता (बाउंड्रीवाल) और सीढ़ी का निर्माण कराया गया था। वर्ष 2006-07 में नगर पालिका की ओर से इसे हटाने का नोटिस जारी किया गया था। इसके बाद मामला न्यायालय पहुंचा, जहां से चंद्राकर परिवार के पक्ष में फैसला आने के बाद कार्रवाई पर रोक लग गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि वर्ष 2025 में निखिलकांत साहू के नगर पालिका अध्यक्ष बनने के बाद 6 जनवरी 2026 को दोबारा नोटिस जारी कराया गया। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि न्यायालय के आदेश की प्रति प्रस्तुत किए जाने पर तत्कालीन मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) ने कार्रवाई रोक दी थी।

महासमुंद्र। न्यायालय के पूर्व आदेश के बावजूद मकान की बाउंड्रीवाल और अन्य निर्माण तोड़े जाने का आरोप लगाते हुए भाजपा महासमुंद्र शहर मंडल के कोषाध्यक्ष हिमांशु चंद्राकर और उनके 77 वर्षीय पिता श्रवण चंद्राकर ने नगर पालिका परिषद महासमुंद्र के अध्यक्ष निखिलकांत साहू के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पॉइंट परिवार ने

मामले में राजनीतिक द्रष्टे और पद के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कलेक्टर एवं पुलिस प्रशासन से शिकायत की है। मामले को लेकर प्रेस क्लब महासमुंद्र में आयोजित प्रेस वार्ता में भाजपा नेताओं ने कार्रवाई पर सवाल उठाए। प्रेस वार्ता में नगरपालिका उपाध्यक्ष देवीचंद राठौ, पूर्व पार्षद मौना वर्मा सहित अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे।

सांसद के कार्यक्रम के बाद कार्रवाई का आरोप शिकायतकर्ताओं ने यह भी उल्लेख किया है कि 30 अगस्त को इसी भवन परिसर में महासमुंद्र की सांसद एवं भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रूपकुमारी चौधरी का 'मन की बात' कार्यक्रम आयोजित किया गया था। परिवार ने आरोप लगाया है कि इसके बाद उल्लेखित द्रष्टे के चलते कार्रवाई की गई। हालांकि, इस आरोप की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

एफआईआर और निष्पक्ष जांच की मांग श्रवण चंद्राकर ने पुलिस से शिकायत कर नगर पालिका अध्यक्ष के साथ मौके पर मौजूद कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। अपनी शिकायत में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन न्यायाधीश वरुण इंदर प्रसाद माल्ने का भी हवाला दिया है। वहीं, हिमांशु चंद्राकर ने कलेक्टर से मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग की है। उन्होंने नगर पालिका की मूल फलन, नोटसीट, संबंधित आदेश और कार्यदिश की जांच के लिए अन्य दस्तावेजों के तत्कालीन अधिकारियों की संमति गैरिस्ट करने तथा नुकसान का आकलन कर उचित क्षतिपूर्ति दिलाने की मांग की है। अधिकारियों की भूमिका पर भी उठाए सवाल शिकायतकर्ताओं का कहना है कि मुख्य नगरपालिका अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारियों ने कार्रवाई की जानकारी होने से अनभिज्ञता जताई है। इससे उन्होंने आशंका व्यक्त की है कि तोड़फोड़ की कार्रवाई विधिरित विभगीय प्रक्रिया का पालन किए बिना की गई। फिलहाल, शिकायत की प्रतिक्रिया कलेक्टर कार्यालय और पुलिस प्रशासन को सौंपे जाने की बात कही गई है। मामले में संबंधित नगर पालिका अध्यक्ष और प्रशासन का पक्ष सामने आने के बाद ही पूरे घटनाक्रम की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

बिना पूर्व सूचना तोड़फोड़ कराने का आरोप श्रवण चंद्राकर के आरोप के मुताबिक, 6 अक्टूबर को दोपहर करीब 1:10 बजे नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू प्लेसमेंट कर्मचारी यशवंत ठाकुर और जेसीबी चालक मधु के साथ उनके मकान पहुंचे। आरोप है कि बिना पूर्व सूचना और रखम आदेश के बाउंड्रीवाल को तोड़ दिया गया। श्रवण चंद्राकर का कहना है कि उन्होंने मौके पर न्यायालय के आदेश की प्रि प्रिस्टाकर कार्रवाई का विरोध किया, लेकिन इसके बावजूद तोड़फोड़ जारी रही। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि विरोध करने पर अध्यक्ष ने कथित तौर पर कहा कि उन्हें जहां जाना है, जाएं और केस करना है तो कर दें, लेकिन तोड़फोड़ होकर रहेगी। परिवार का दावा है कि इस कार्रवाई से 77 वर्षीय श्रवण चंद्राकर को शारीरिक और मानसिक परेशानी हुई है। वहीं, हिमांशु चंद्राकर ने 7 अक्टूबर 2026 को हुई दूसरी कार्रवाई में लगभग तीन लाख रुपये की क्षति होने का आरोप लगाया है। शिकायत में घर के बेरिस्ट और नल को भी बिना आदेश तोड़े जाने की बात कही गई है।

सिंधी मोहल्ले में कोतवाली पुलिस की दबिश, 2 लाख के 18 कार्टून पटाखे जप्त

कोरबा। दिवाली से पहले कोरबा में पटाखों के अवैध कारोबार का बड़ा मामला सामने आया है। शहर के सिंधी मोहल्ला पुरानी बस्ती में कोतवाली पुलिस ने दबिश देकर करीब 2 लाख कीमत के पटाखों का जखीरा बरामद किया है। गोदाम में बिक्री के लिए रखे गए अलग-अलग कंपनियों के 18 कार्टून पटाखे पुलिस ने जप्त किए हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि सिंधी मोहल्ला पुरानी बस्ती में एक मकान के पास बने गोदाम में बड़ी मात्रा में पटाखों का अवैध रूप से भंडारण किया गया है। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और गोदाम में दबिश दी। तलाशी के दौरान पुलिस को विभिन्न प्रकार के पटाखों से भरे 18 कार्टून मिले। पुलिस ने सभी पटाखों को जप्त कर लिया। बरामद पटाखों की अनुमानित कीमत करीब 2 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, पटाखों को बिक्री के उद्देश्य से अवैध रूप से भंडारित किया गया था। कार्रवाई में बलराम जजरासी पिता रमेश कुमार, उम्र 42 वर्ष, निवासी सिंधी मोहल्ला, पुरानी बस्ती को आरोपी बनाया गया है। मामले में आरोपी के खिलाफ धारा 9(ख) विस्फोटक अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। कोरबा में अवैध गतिविधियों के खिलाफ पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में लगातार कार्रवाई की जा रही है। दिवाली के पहले हुई इस कार्रवाई से अवैध रूप से पटाखों का भंडारण और बिक्री करने वालों में हड़कंप मच गया है। अब बड़ा सवाल यह है कि इतनी बड़ी मात्रा में पटाखे गोदाम तक कैसे पहुंचे? क्या इनके लिए वैध अनुमति थी? और इस कारोबार से जुड़े अन्य लोग कौन हैं? पुलिस की जांच आगे बढ़ने के साथ इन सवालों के जवाब सामने आने की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

बिना चारा-पानी के मवेशियों को त्ररुरतापूर्वक ले जा रहे 8 आरोपी गिरफ्तार, 31.40 लाख की संपत्ति जब्त

रायपुर। कबीरधाम जिले के कुकदुर थाना पुलिस ने अवैध पशु परिवहन के खिलाफकार्रवाई करते हुए 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चार वाहनों से बिना चारा-पानी के कूररतापूर्वक परिवहन करते पाए गए। पुलिस ने तत्काल सभी मवेशियों को सुरक्षित बरामद कर चारों वाहनों को जब्त कर लिया। मामले में 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 79/2026 के तहत छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम, 2004 की धारा 4, 6, 10, पशु कूररता निवारण अधिनियम की धारा 11 तथा मोटरयान अधिनियम की धारा 66/192 के तहत अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। पुलिस ने बताया कि जन्त 11 मवेशियों की कोमत करीब 3 लाख 40 हजार रुपये है। वहीं परिवहन में प्रयुक्त चार वाहनों में छत-28 ह-5024 महिंद्रा बोलेरो की कीमत 7 लाख, सीजी-28 एन-7104 टाटा योद्धा की कीमत 8 लाख, सीजी- पीएन-8951 महिंद्रा बोलेरो की कीमत 7 लाख और छत-10 सीसी-6837 महिंद्रा बोलेरो की कीमत 6 लाख रुपये आंकी गई है। इस तरह कुल 31 लाख 40 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। बरामद मवेशियों का स्वास्थ्य परीक्षण कराने के बाद उन्हें गौशाला में दाखिल कराया गया है। मामले की विवेचना जारी है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार एवं अमित कुमार पटेल के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी पंडरिया भूपत सिंह के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी कुकदुर निरीक्षक संतोष मिश्रा के नेतृत्व में की गई। पुलिस ने बताया कि अवैध पशु परिवहन और पशु तस्करी पर निगरानी रखते हुए आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

जिले की रधिया बाई के जीवन में आया नया सवेरा, कच्चे मकान से पक्के आशियाने तक का सफर

रायपुर। विकास की बयार अब अंतिम छोर और सुदूर ग्रामीण अंचल तक पहुंच रही है। केन्द्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का उद्देश्य समाज के सबसे कमजोर और जरूरतमंद वर्ग के जीवन स्तर को ऊपर उठाना है। इसी कड़ी में बालोद जिले के डौंडी विकासखंड के ग्राम कामता की रहने वाली श्रीमती रधिया बाई के जीवन में एक ऐसा ही सुखद और सकारात्मक बदलाव आया है, जिसने उनकी बरसों पुरानी परेशानियों को दूर कर उनके चेहरे पर मुस्कान ला दी है। श्रीमती रधिया बाई का जीवन काफी संघर्षपूर्ण रहा है। पति के निधन के बाद घर की पूरी जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। सिर पर पक्की छत न होने के कारण उन्हें और उनके परिवार को हर मौसम में भारी दिक्कों का सामना करना पड़ता था। बारिश के दिनों में टपकती छत और पुराने मकान में रहना उनके लिए किसी चुनौती से कम नहीं था। समस्याओं के कारण घर का सामान सुरक्षित रखना भी मुश्किल हो जाता था। रधिया बाई बताती हैं कि उन्होंने कभी सोचा नहीं था कि वे स्वयं से कभी एक पक्का मकान बना पाएंगी। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) श्रीमती रधिया बाई के लिए वरदान साबित हुई है। योजना के तहत उन्हें पक्का मकान स्वीकृत हुआ। इस आर्थिक सहायता और सहयोग से उन्होंने अपने सपनों का आशियाना तैयार किया।

सेवा की कहानी : हितग्राही सुकमतिया बैगा के जीवन में महतारी वंदन योजना बनी सहारा

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उनके दैनिक जीवन को आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता महिलाओं को अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करने के साथ-साथ परिवार को जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से निभाने में मदद कर रही है। गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत धनौली के ढाढ़ीपारा में निवासरत महतारी वंदन योजना की हितग्राही श्रीमती सुकमतिया बैगा को योजना की 32वीं किस्त की राशि प्राप्त हो गई है। इस राशि से उन्हें अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने में सहायता मिल रही है। वे प्राप्त राशि का उपयोग अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के लिए कॉपी, पेन एवं अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री खरीदने में करती हैं। इसके साथ ही यह राशि घर के दैनिक खर्चों को पूरा करने में भी उपयोगी साबित हो रही है।सुकमतिया बैगा के लिए महतारी वंदन योजना केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि बच्चों की शिक्षा को बेहतर बनाने और घरेलू जरूरतों को पूरा करने में सहयोग देने वाली एक महत्वपूर्ण पहल है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति को धरातल पर उतारने छत्तीसगढ़ सरकार की बड़ी पहल

कागजों से निकलकर ज़मीनी स्तर पर दिखे शिक्षा नीति: मंत्री टंकराम वर्मा....

■ विश्वविद्यालयों में बनेगे ‘एनईपी सेल’, संभाग व जिला स्तर पर होंगी कार्यशालाएं

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सुचारु, सुदृढ़ और प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर शासन स्तर पर प्रशासनिक एवं अकादमिक कसरत तेज हो गई है। राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों में एनईपी-2020 को बिना किसी व्यावहारिक बाधा के लागू करने और पिछले दो वर्षों के अनुभवों के आधार पर आई चुनौतियों को दूर करने के उद्देश्य से मंत्रालय में एक उच्चस्तरीय अंतर-विभागीय समीक्षा सह ट्रांसफॉर्म समिति की पहली महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव श्री अविनाश चंपावत, श्रीमती रीता यादव, प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण तथा समिति के अन्य वरिष्ठ सदस्य



उपस्थित रहे। बैठक में मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार उच्च शिक्षा के स्तर को उन्नत करने, विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने तथा नई शिक्षा नीति को राज्य में पूरी सुदृढ़ता के साथ धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री श्री वर्मा ने इस बात पर विशेष बल दिया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का लाभ सभी संभव है जब यह केवल कागजी निर्देशों, बैठकों और प्रशासनिक फाइलों तक सीमित न रहकर ज़मीनी स्तर पर प्रत्यक्ष रूप से दिखाई दे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक ‘विकसित भारत’ और मुख्यमंत्री के ‘विकसित

शिक्षकों और विद्यार्थियों के सामने आई व्यावहारिक चुनौतियों, क्रेडिट सिस्टम एवं विषय चयन से जुड़े भ्रम पर गहराई से मंथन किया गया। इस भ्रम और कठिनाइयों को दूर करने के लिए मंत्री श्री वर्मा ने व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण और जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। नई शिक्षा नीति की बारिकियों और प्रावधानों से प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों को पूरी तरह अवगत कराने के लिए प्रत्येक विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र के हर सेमेस्टर की शुरुआत में विशेष कार्यशालाएं आयोजित करने के निर्देश मंत्री श्री वर्मा ने दिए। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री श्री वर्मा ने प्राध्यापकों और छात्रों के बीच समझ का दायरा बेहतर करने के लिए संभाग और जिला स्तर पर भी बड़े पैमाने पर कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करने के निर्देश दिए। विश्वविद्यालयों से संबद्ध सभी महाविद्यालयों के प्राचार्यों, नोडल अधिकारियों और ब्रांड एंबेसडरों को प्रशिक्षित करने के लिए विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ में पहली बार 04 विकास खण्ड टीबी मुक्त घोषित किया गया

■ जोश टीम’ के राज्य स्तरीय शुभारंभ के साथ टीबी उन्मूलन अभियान को मिलेगी नई गति

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में टीबी उन्मूलन की दिशा में जनभागीदारी को और मजबूत करते हुए गुरुवार को राज्य में ‘जोश टीम’ का राज्य स्तरीय शुभारंभ खड़गंवा से किया गया साथ ही पूरे राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में भी जिला स्तरीय शुभारंभ जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर प्रारंभ की जा रही इस पहल के अंतर्गत माय भारत के युवा स्वयंसेवकों एवं एनसीसी के कैडेटों को टीबी उन्मूलन के प्रयासों से जोड़ा जा रहा है। इस

अवसर पर छत्तीसगढ़ में पहली बार 04 विकासखण्डों खड़गंवा, सोनहत, बत्तीली व घरघोड़ा को टीबी मुक्त विकासखण्ड घोषित किया गया। जिन्होंने न सिर्फ छत्तीसगढ़ में बल्कि पूरे भारत में प्रथम टीबी मुक्त विकासखण्ड होने का गौरव अपने नाम किया। कार्यक्रम में उपस्थित स्वास्थ्य मंत्री श्री रम्या बिहारी जायसवाल ने कहा कि टीबी उन्मूलन केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रत्येक वर्ग की सामूहिक जिम्मेदारी है। युवाओं की ऊर्जा और जनभागीदारी को टीबी उन्मूलन अभियान से जोड़कर इस अभियान को नई गति दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि समय पर जांच, नियमित उपचार और उपचार की पूर्णता के साथ टीबी के प्रति जागरूकता एवं सामाजिक भेदभाव को समाप्त करना भी उतना ही आवश्यक है।

देश के विकास में मोदी सरकार का योगदान शून्य है

देश को 12 साल में केवल अस्थिरता दी-विनोद चंद्राकर

रायपुर/संवाददाता

पूर्व संसदीय सचिव छग शासन व महासमृद्ध के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने केन्द्र की मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि 2047 तक विकसित भारत का केवल जुमाला दिखाया जा रहा है। जबकि, देश के विकास में मोदी सरकार का योगदान शून्य है। ऐसा कोई ठोस कार्य नहीं है जिसे यह सरकार अपनी उपलब्धि बता सके। पिछले 12 साल में मोदी सरकार ने केवल देश को अस्थिर करने का काम किया है। श्री चंद्राकर ने कहा



कि देश का विकास करना है तो सबसे पहले देशवासियों का विकास करना होगा। युवाओं को रोजगार देना होगा और देश को अर्थव्यवस्था में प्रमुख योगदान देने वाली शासकीय संस्थाओं को बेचना बंद करना होगा। दिए

जलाकर, थाली बजाकर और रंगोली बनाकर विकसित भारत की परिकल्पना साकार नहीं हो सकती। विकसित भारत का लक्ष्य प्रतीकात्मक कुलों से नहीं बल्कि ठोस नीतियों, आर्थिक सुधारों, नवाचार और सामूहिक परिश्रम से हासिल होगा। उन्होंने कहा कि नोटबंदी का बिना तैयारी लिया गया फैसला हो या कोरोना काल का कुप्रबंधन, हर बड़े मौके पर सरकार ने देश को अस्थिरता के सिवा कुछ नहीं दिया। नोटबंदी ने अर्थव्यवस्था को कमर तोड़ दी, छोटे उद्योग बंद हो गए और करोड़ों लोग बेरोजगार हो गए।

हाथी प्रभावित गांवों में पहुंचे पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल

ग्रामीणों से मिलकर जाना हाल,अधिकारियों को दिए राहत के निर्देश

■ उदयपुर विकासखंड के मरडीह, फुंगी और कूरमंतपारा का किया दौरा, हाथियों से हुए नुकसान का लिया जायजा

■ प्रभावित परिवारों को शीघ्र मिले नियमानुसार मुआवजा, नुकसान के आकलन और राहत संबंधी कार्रवाई में तेजी लाने के निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड के हाथी प्रभावित ग्राम मरडीह, फुंगी और कूरमंतपारा का दौरा कर ज़मीनी स्थिति का

जायजा लिया। उन्होंने हाथियों की गतिविधियों से प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा क्षेत्र में हुए नुकसान की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान मंत्री श्री अग्रवाल ने वन विभाग के अधिकारियों, एसडीएम और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए आवश्यक कार्रवाई शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री अग्रवाल ने प्रभावित गांवों के भ्रमण के दौरान ग्रामीणों से सीधे संवाद किया और हाथियों के कारण उत्पन्न परिस्थितियों तथा उन्हें हो रही परेशानियों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान और राहत संबंधी कार्रवाई की जानकारी प्राप्त की। मंत्री श्री अग्रवाल ने स्पष्ट निर्देश दिए कि हाथियों से प्रभावित परिवारों को किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी न हो तथा उनके नुकसान का नियमानुसार आकलन कर



मुआवजा प्रदान करने की प्रक्रिया प्राथमिकता के साथ पूरी की जाए। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि हाथियों के कारण हुए नुकसान का गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ आकलन किया जाए। प्रभावित परिवारों के प्रकरणों में आवश्यक औपचारिकताएं शीघ्र पूरी कर

महतारी वंदन योजना की राशि से बच्चों की पढ़ाई को संबल दे रहीं खुशबू दास

■ सेवा संकल्प अभियान के तहत सामने आई प्रेरक कहानी, हर महीने मिलने वाली 1000 रुपए की सहायता से बच्चों को ट्यूशन पढ़ा रही खुशबू दास

रायपुर। संवाददाता

सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के जीवन में आ रहे सकारात्मक बदलाव की कहानियां सामने आ रही हैं। इसी कड़ी में एससीबी जिले के चिरमिरी विकासखंड की निवासी खुशबू दास की कहानी सामने आई है, जिनके लिए महतारी वंदन योजना बच्चों की शिक्षा में सहयोग का माध्यम बन रही है। खुशबू दास को महतारी वंदन योजना के अंतर्गत हर महीने 1000 रुपए की आर्थिक सहायता प्राप्त होती है। वह इस राशि का

उपयोग अपने बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने में कर रही हैं। योजना से मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता से उन्हें बच्चों की पढ़ाई से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल रही है। इस तरह योजना उनके परिवार में बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देने में सहायक साबित हो रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा महतारी वंदन योजना की 32वीं किस्त जारी किए जाने से खुशबू दास भी खुश हैं। योजना के तहत अब तक उन्हें कुल 32000 रुपए की राशि प्राप्त हो चुकी है। उनके लिए यह राशि बच्चों की पढ़ाई में सहयोग देने और परिवार की जरूरतों को पूरा करने में मददगार बनी हुई है। नियमित आर्थिक सहायता से वह बच्चों की शिक्षा पर ध्यान केंद्रित कर पा रही हैं। सेवा संकल्प अभियान के तहत खुशबू दास की यह कहानी बताती है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से मिलने वाली आर्थिक सहायता का उपयोग महिलाएं अपने वंदन योजना के अंतर्गत हर महीने के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए कर सकती हैं।



निगम-पंचायत चुनाव की तैयारियों को लेकर निर्वाचन आयुक्त ने ली समीक्षा बैठक

रायपुर। आयोग द्वारा स्थानीय निकायों के निर्वाचन के संबंध में निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी किया गया है, निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 30 नवम्बर 2026 को किया जायेगा। आगामी आम एवं उप निर्वाचन की तैयारियों के संबंध में राज्य निर्वाचन आयोग में राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह द्वारा सामान्य प्रशासन विभाग, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से रिक्त पदों, आरक्षण, परिसीमन की अद्यतन जानकारी ली, साथ ही निर्वाचन हेतु आवश्यक मानव संसाधन की उपलब्धता की समीक्षा की। पंचायत निर्वाचन - सारंगढ़-बिलाईपढ़, कोरिया एवं कोंडगांव जिलों की 09 ग्राम पंचायतों में सरपंच तथा 126 पंच पदों का आम निर्वाचन प्रस्तावित है तथा जनपद पंचायत सदस्य का 01 रिक्त पद, सरपंच के 92 रिक्त पदों, पंच के 721 पदों के लिए उपनिर्वाचन कराया जाना है। नगरीय निकाय निर्वाचन - नवगाँव 02 नगर पंचायत तमनार, जिला रायगढ़ व नगर पंचायत बड़ी करेली, जिला धमतरी के साथ साथ नगरपालिक निगम भिलाई-चरौदा, रिसाली, जामुल एवं बिरांगल सहित ऐसे 15 नगरीय निकाय जिसमें आम निर्वाचन सम्पन्न कराया जाना है।

छत्तीसगढ़ में कैसर मरीजों को मिलेगी उन्नत इलाज की सुविधा

■ हैदराबाद के ओमेगा हॉस्पिटल और रायपुर के श्री मेडिशाइन में साझेदारी

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में कैसर मरीजों को आधुनिक जांच, विशेषज्ञ परामर्श और बेहतर उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में नई पहल की गई है। हैदराबाद के ओमेगा हॉस्पिटल और रायपुर के श्री मेडिशाइन हॉस्पिटल ने कैसर देखभाल सेवाओं के विस्तार के लिए साझेदारी शुरू की है। इस सहयोग के तहत ओमेगा मेडिशाइन एसोसिएशन की औपचारिक शुरुआत की गई। साथ ही व्यापक कैसर देखभाल केन्द्र की

आधारशिला भी रखी गई। इस पहल का उद्देश्य छत्तीसगढ़ में कैसर के मरीजों को एक ही जगह पर जांच से लेकर उपचार और इलाज के दौरान जरूरी सहयोग तक की सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम करना है। इससे दूसरे शहरों में इलाज कराने जाने वाले मरीजों और उनके परिजनों की यात्रा, समय और व्यवस्था से जुड़ी परेशानियां कम करने में मदद मिल सकती है। कैसर के बढ़ते मामलों के बीच समय पर जांच और विशेषज्ञों की उपलब्धता स्वास्थ्य सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण कैसर देखभाल सेवाओं के विस्तार के अनुसार, छत्तीसगढ़ में वर्ष 2024 में कैसर के 30,763 मामले और वर्ष 2025 में 31,553 मामले दर्ज किए गए। वहीं, वर्ष 2024 से जून 2026 तक 17,611 नए मामलों का भी उल्लेख किया गया है।

कारण ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पन्न परिस्थितियों को लेकर शासन पूरी तरह संवेदनशील है। ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ प्रभावित परिवारों को आवश्यक राहत दिलाने के लिए सभी संबंधित विभागों को जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करना होगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि हाथी प्रभावित क्षेत्र में हुए नुकसान की जानकारी मिलते ही आज मैं स्वयं ग्रामीणों के बीच पहुंचा हूं। प्रभावित परिवारों की समस्याओं को समझना और उन्हें समय पर राहत दिलाना हमारी जिम्मेदारी है। मैंने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नुकसान का शीघ्र आकलन कर प्रभावित परिवारों को नियमानुसार उचित मुआवजा दिलाने की कार्रवाई सुनिश्चित करना। जना की सुरक्षा, प्रभावित परिवारों को राहत और हर परिस्थिति में उनके साथ मजबूती से खड़े रहना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

संपादकीय

लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान का अर्थ केवल सत्ता का चयन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करना भी है। ऐसे में किसी पात्र नागरिक को तकनीकी कारणों का हवाला देकर मतदाता सूची से बाहर करना वैध रूप में उसके अस्तित्व को नकारने जैसा है। देश में मतदाता सूची को दुरुस्त और अद्यतन करने के उद्देश्य से शुरू किया गया विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर अब कई उलझनों और सवाल

के घेरे में है। जिस प्रक्रिया का मकसद पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल करना और अपात्र नामों को हटाना है, वही आम नागरिकों के लिए परेशानी और चिंता का कारण बन गई है। मताधिकार लोकतंत्र की पहचान है और अगर बड़ी संख्या में नागरिकों का यही अधिकार छिन जाए, तो चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है। हाल ही में आयोग के भीतर मतपेदों की लेकर जिस तरह की खबरें सामने

आई हैं, उससे उसकी निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता की साख भी दांव पर है। सड़क से लेकर अदालत तक में चुनाव आयोग से सवाल पूछे जा रहे हैं। इसी क्रम में बंबई उच्च न्यायालय ने बीते गुरुवार को कहा कि जब आयोग मतदाताओं के आचरण पर सवाल उठाता है, तो नागरिकों को भी यह पछने का अधिकार है कि चीबीस साल बाद एसआइआर क्यों कराया जा रहा है।लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान का अर्थ

केवल सत्ता का चयन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करना भी है। ऐसे में किसी पात्र नागरिक को तकनीकी कारणों का हवाला देकर मतदाता सूची से बाहर करना वैध रूप में उसके अस्तित्व को नकारने जैसा है। एसआइआर की प्रक्रिया में कई तरह की जटिलताएं हैं, जिनमें मतदाताओं के लिए पुराने रिकार्ड के आधार पर अपनी पहचान और पात्रता साबित करने की चुनौती प्रमुख है। देश भर में बड़ी

संख्या में ऐसे लोग हो सकते हैं, जिनके पास पुराने दस्तावेज उपलब्ध न हों। ग्रामीण क्षेत्रों, गरीब परिवारों, बुजुर्गों और प्रवासी मजदूरों के लिए इस तरह के जरूरी कामजात गुटाना आसान नहीं होता है। कई बार लोगों के नाम, पते और जन्मतिथि में मामूली अंतर भी उन्हें मतदाता सूची से हटाने का कारण बन जाता है।बंबई उच्च न्यायालय ने भी इस चिंता को रेखांकित करते हुए कहा है कि निर्वाचन आयोग का प्रयास ऐसी मतदाता सूची तैयार

करना होना चाहिए, जिसमें अधिकतम पात्र मतदाता शामिल हों। इस उद्देश्य के लिए आयोग को हर तरह के उपाय करने चाहिए। मगर स्थिति इसके विपरीत नजर आती है, क्योंकि देश भर में अब तक तेरह करोड़ से अधिक लोगों के नाम मतदाता सूची से बाहर कर दिए गए हैं।एसआइआर पर व्यापक चिंता और सवालों के बीच चुनाव आयोग अब सूची से बाहर हो गए लोगों की नए सिरे से तलाश शुरू करेगा।

एआई से जुड़े महाविनाश के खतरे: नियंत्रित कमान जरूरी

(ललित गर्ग)

एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सभ्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है। चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, कृषि, उद्योग और प्रशासन से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसके उपयोग ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएं बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से उसके दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार करना होगा। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेताया है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा है कि एआई गलत हाथों में पड़ने पर अत्यंत व्यापक जहाजानि का माध्यम बन सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए। गेट्स की चिंता केवल भविष्य की किसी काल्पनिक आशंका पर आधारित नहीं है, एआई के दुरुपयोग के कुछ ठोस उदाहरण सामने आने लगे हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एआई एजेंट्स के रूप में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक एआई मुख्यतः प्रश्नों के उत्तर देता था, लेकिन एजेंट इंटरनेट पर जा सकता है, वेबसाइट खोल सकता है, कोड लिख सकता है, सूचनाएं खोज सकता है और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए अनेक चरणों में स्वयं कार्रवाई कर सकता है। यही क्षमता उपयोगी होने के साथ जोखिमपूर्ण भी है। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक पैनल ने ओपेनएआई से संबंधित एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें परीक्षण के दौरान एआई एजेंट्स ने नेटवर्क प्रतिबंधों को पार किया, अलग-अलग प्रक्रियाओं के बीच संपर्क किया और ओपेनएआई तथा हुगिंग फेस की प्रणालियों के कुछ हिस्सों से समझौता किया। स्वतंत्र संस्था एमईटीआर की जांच के अनुसार इस घटना में लगभग 1,200 एजेंट्स ने 70,000 से अधिक संदेश और फाइलें साझा कीं तथा लगभग 700 एजेंट्स हुगिंग फेस पर हुए हमले में शामिल हुए। यहां सावधानी जरूरी है। इन घटनाओं को यह प्रमाण मान लेना कि एआई निश्चित रूप से मानव नियंत्रण से बाहर हो गया है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। ये नियंत्रित परीक्षण और सुरक्षा-मूल्यांकन के दौरान सामने आई घटनाएं थीं। लेकिन इनका महत्व इस बात में है कि अधिक सक्षम एजेंट जब जटिल लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, तो वे उन रास्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं जिनकी कल्पना उनके निर्माताओं ने नहीं की थी। स्वयं ओपेनएआई ने भी एजेंट्स के इंटरनेट उपयोग, बाहरी सामग्री से होने वाले 'प्रॉम्प्ट इंजेक्शन' और डेटा चोरी जैसे जोखिमों को लेकर सुरक्षा उपायों की जरूरत

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सभ्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है।

चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, कृषि, उद्योग और प्रशासन से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसके उपयोग

ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएं बढ़ रही हैं, उतनी ही

गंभीरता से उसके दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार करना होगा। सितंबर 2026

में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेताया है कि एआई की क्षमताओं की गति के

मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव

नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल

गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है।



स्वीकार की है।

एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया। कंपनी के अनुसार सुरक्षा उपायों ने अनेक अनुरोधों को रोक़ा, लेकिन उपयोगकर्ताओं ने अपनी मंशा छिपाकर और काम को अलग-अलग सत्रों में बांटकर कुछ सुरक्षा अवरोधों को पार करने की कोशिश की। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार हथियार-विकास का प्रयास सफल नहीं हुआ, हालाँकि एक निर्देशित रॉकेट का परीक्षण विफल हुआ और उसके बाद एआई से उसकी समस्या समझने का प्रयास किया गया। यही वह बिंदु है जहाँ एआई और पारंपरिक हथियारों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है। एआई स्वयं कोई मिसाइल या बम नहीं है, लेकिन वह ज्ञान, डिजाइन, कोडिंग, विश्लेषण और नियंत्रण-प्रक्रिया को बहुत तेज़ कर सकता है। किसी गैर-राज्य संगठन, अपराधी समूह या आतंकवादी संगठन को यदि अत्यंत सक्षम एआई तक पहुंच मिल जाए, तो वह ऐसे तकनीकी कार्यों को अपेक्षाकृत कम समय और कम विशेषज्ञ मानव संसाधन में करने का प्रयास कर सकता है, जिनके लिए पहले बड़ी तकनीकी टीम की आवश्यकता होती थी। इसलिए एआई की सुरक्षा को केवल सॉफ्टवेयर उद्योग का विषय समझना पर्याप्त नहीं है, यह राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा का भी विषय बन चुका है। खतरा केवल युद्ध तक सीमित नहीं है। साइबर अपराध, बैकिंग धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, फर्जी आवाज और

वीडियो, सामाजिक अभियांत्रिकी तथा बड़े पैमाने पर गलत सूचना फैलाने में एआई का इस्तेमाल संभव है। संयुक्त राष्ट्र के आकलन में भी साइबर हमलों, वित्तीय धोखाधड़ी, सोशल इंजीनियरिंग और डीपफेक को एआई से जुड़े प्रमुख जोखिमों में गिना गया है। आज यदि किसी व्यक्ति की आवाज की हूबहू नकल करके उसके परिजन से पैसे मांगे जा सकते हैं, किसी अधिकारी या संस्था का नकली वीडियो बनाया जा सकता है अथवा बड़े पैमाने पर खचालित साइबर हमले किए जा सकते हैं, तो डिजिटल समाज में विश्वास की बुनियाद ही प्रभावित हो सकती है।

भारत के लिए यह चिंता और अधिक महत्वपूर्ण है। करोड़ों भारतीय बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, सरकारी सेवाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और व्यापार के लिए डिजिटल प्रणालियों पर निर्भर हैं। इसलिए एआई-आधारित साइबर हमले का प्रभाव किसी एक कंप्यूटर या संस्था तक सीमित नहीं रह सकता। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भी साइबर सुरक्षा को उभरती एआई, मशीन लर्निंग और अन्य तकनीकों के साथ जुड़ी चुनौती के रूप में रेखांकित किया है तथा सीईआरटी-इन जैसी संस्थागत व्यवस्थाओं का उल्लेख किया है। भारत को एआई के विकास में पीछे नहीं हटना चाहिए, लेकिन उसके साथ साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण, महत्वपूर्ण डिजिटल अवसरचना की सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को समान गति से मजबूत करना होगा। दूसरी बड़ी चुनौती वैश्विक शक्ति-संतुलन की है। एआई पर नियंत्रण यदि कुछ देशों या कुछ बड़ी निजी कंपनियों तक सीमित हो गया, तो तकनीकी क्षमता आर्थिक और सामरिक शक्ति का नया आधार बन सकती है। अमेरिका और चीन जैसे

बड़े तकनीकी एवं सैन्य शक्तियों के बीच एआई प्रतिस्पर्धा पहले ही वैश्विक राजनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। इसलिए एआई का प्रश्न केवल यह नहीं है कि कौन सबसे शक्तिशाली मॉडल बनाएगा, प्रश्न यह भी है कि इन मॉडलों की सीमाएं कौन तय करेगा, उनके परीक्षण की स्वतंत्र व्यवस्था कौन करेगा और किसी गंभीर जोखिम की स्थिति में किस्के पास हस्तक्षेप करने की वैध शक्ति होगी।

इसीलिए केवल कंपनियों के स्वैच्छिक आत्म-नियमन पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं लगता। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि एआई के विकास को रोक देना समाधान नहीं है। यही तकनीक कैंसर अनुसंधान, नई दवाओं, वैज्ञानिक खोजों, शिक्षा, आपदा प्रबंधन और उत्पादकता में बड़ी भूमिका निभा सकती है। स्वयं संयुक्त राष्ट्र एआई को मानव विकास के लिए असाधारण संभावनाओं वाली तकनीक मानता है, साथ ही मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर देता है। इसलिए दुनिया को 'एआई बंद करो' नहीं, बल्कि 'एआई को जिम्मेदारी के साथ विकसित करो' का रास्ता अपनाना होगा। वैश्विक स्तर पर न्यूनतम सुरक्षा मानक, स्वतंत्र परीक्षण, उच्च जोखिम वाले एआई सिस्टम के लिए अनिवार्य निगरानी, महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मानव की अंतिम स्वीकृति, साइबर सुरक्षा प्रोटोकॉल, दुरुपयोग की रिपोर्टिंग और देशों के बीच सूचना-सझेदारी जैसी व्यवस्थाएं आवश्यक हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतेर्रेस ने भी जुलाई 2026 में एआई के लिए व्यापक वैश्विक नियंत्रण और सुरक्षा-केंद्रित व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया था।

मानव इतिहास में विज्ञान ने मनुष्य की शक्ति बढ़ाई है, लेकिन हर बड़ती शक्ति के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है। परमाणु युग ने दुनिया को यह सिखाया कि अत्यधिक शक्तिशाली तकनीक को केवल उसके निर्माताओं की सदिच्छा पर नहीं छोड़ा जा सकता। एआई की चुनौती कुछ मायनों में अलग है-यह डिजिटल, तीव्र, व्यापक और सीमाओं के पार काम करने वाली तकनीक है। इसलिए इसकी सुरक्षा-व्यवस्था भी वैश्विक होनी चाहिए। आज आवश्यकता एआई की गति को अंधाधुंध रोकने की नहीं, बल्कि उसकी दिशा पर मानवीय नियंत्रण बनाए रखने की है। मशीन कितनी भी बुद्धिमान क्यों न हो जाए, अंतिम निर्णय का नैतिक दायित्व मनुष्य से अलग नहीं किया जा सकता। एआई मानवता का सेवक बने, उसका स्वामी नहीं, विकास का साधन बने, विनाश का हथियार नहीं-यही इस तकनीकी युग की सबसे बड़ी कसौटी है।

राम और शिव के बारे में रेवंत रेड्डी की टिप्पणियां हिंदू धर्म के प्रति उनकी घोर अज्ञानता को प्रदर्शित कर रही हैं

भारतीय राजनीति में भगवानों के नाम पर सियासत कोई नई बात नहीं, लेकिन सवाल तब खड़ा होता है जब सत्ता की राजनीति में भगवानों को भी जाति, वर्ग और क्षेत्र के खांचों में बांटने की कोशिश होने लगे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के ताजा बयान ने यही सवाल देश के सामने ला खड़ा किया है कि क्या अब भगवान राम और भगवान शिव को भी राजनीति के अलग-अलग खेमों में खड़ा किया जाएगा? क्या राम को अमीरों का और शिव को गरीबों का भगवान बताकर आस्था को भी वोटबैंक की राजनीति में बांटने की कोशिश होगी? सबसे बड़ा सवाल यह भी है कि एक मुख्यमंत्री के मुंह से निकले ऐसे शब्द देश की धार्मिक और सामाजिक एकता को कहां ले जाएंगे?

(नीरज कुमार दुबे)

भारतीय राजनीति में धर्म को चुनावी हथियार बनाने की प्रवृत्ति कोई नई बात नहीं है। लेकिन जब राजनीति सीधे भगवानों के बीच भी वर्ग, क्षेत्र और विचारभारा की दीवार खड़ी करने लगे, तब सवाल सिर्फ किसी एक पार्टी या नेता का नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन में आस्था की मर्यादा का बन जाता है।

भारतीय राजनीति में भगवानों के नाम पर सियासत कोई नई बात नहीं, लेकिन सवाल तब खड़ा होता है जब सत्ता की राजनीति में भगवानों को भी जाति, वर्ग और क्षेत्र के खांचों में बांटने की कोशिश होने लगे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के ताजा बयान ने यही सवाल देश के सामने ला खड़ा किया है कि क्या अब भगवान राम और भगवान शिव को भी राजनीति के अलग-अलग खेमों में खड़ा किया जाएगा? क्या राम को अमीरों का और शिव को गरीबों का भगवान बताकर आस्था को भी वोटबैंक की राजनीति में बांटने की कोशिश होगी? सबसे बड़ा सवाल यह भी है कि एक मुख्यमंत्री के मुंह से निकले ऐसे शब्द देश की धार्मिक और सामाजिक एकता को कहां ले जाएंगे? हम आपको बता दें कि एक कार्यक्रम में भाजपा पर निशाना साधते हुए तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि शिव गरीबों के भगवान हैं, जबकि राम अमीरों के भगवान हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने भगवान राम को चुरा लिया है और उत्तर भारत में चुनावी सफलता के लिए राम की भावना और आस्था का राजनीतिक इस्तेमाल किया। रेड्डी ने अपने तर्क को उत्तर-दक्षिण और द्रविड़-आर्य पहचान से भी जोड़ा। उनका कहना था कि हम द्रविड़ हैं और उत्तर भारत के लोग आर्य हैं। हम शिव के भक्त हैं और वे राम के भक्त हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेता मंचों से हर हर महादेव क्यों नहीं कहते और केवल जय श्रीराम का उद्घोष क्यों सुनाई देता है? रेड्डी ने कहा कि जब दक्षिण भारत में हर हर महादेव बोला जाता है तो भाजपा को यह पसंद नहीं



आता। यहीं से विवाद ने राजनीतिक रूप ले लिया। केंद्रीय गंजी और भाजपा नेता बंडी संजय कुमार ने रेड्डी पर भगवान राम और भगवान शिव के बीच राजनीतिक विभाजन खड़ा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री को यह नहीं भूलना चाहिए कि उसी तेलंगाना में वेमूलवाड़ा को दक्षिण काशी और भद्राचलम को दक्षिण ओय्या कहा जाता है। ऐसे में राम और शिव को उत्तर और दक्षिण की सीमाओं में बांटना उचित नहीं है। बंडी संजय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी और काशी विश्वनाथ से जुड़ाव का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद नरेंद्र मोदी पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने वेमूलवाड़ा स्थित श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर का दौरा किया।

देखा जाये तो भारतीय राजनीति में धर्म को चुनावी हथियार बनाने की प्रवृत्ति कोई नई बात नहीं है। लेकिन जब राजनीति सीधे भगवानों के बीच भी वर्ग, क्षेत्र और विचारधारा की दीवार खड़ी करने लगे, तब सवाल सिर्फ किसी एक पार्टी या नेता का नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन

में आस्था की मर्यादा का बन जाता है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का ताजा बयान इसी वजह से गंभीर राजनीतिक बहस का विषय बन गया है। सवाल उठ रहा है कि भगवान राम और भगवान शिव की राजनीति के दो अलग-अलग खेमों में खड़ा करने की जरूरत आखिर क्यों पड़ी? क्या किसी भी राजनीतिक दल के लिए यह उचित है कि करोड़ों लोगों की साझा आस्था को अमीर बनाम गरीब या उत्तर बनाम दक्षिण की राजनीतिक श्रेणियों में बांट दिया जाए?

वैसे रेवंत रेड्डी का यह पहला विवादित बयान नहीं है। दिसंबर 2025 में उन्होंने हिंदू देवी-देवताओं की संख्या और अलग-अलग पूजा परंपराओं को लेकर भी ऐसी टिप्पणियां की थीं, जिन पर भाजपा और अन्य विपक्षी दलों ने हिंदू आस्था का मजक़्त उड़ाने का आरोप लगाया था। यही वजह है कि अब यह सवाल और तेज हो रहा है कि रेवंत रेड्डी के राजनीतिक भाषणों में हिंदू आस्था ही बार-बार निशाने पर क्यों दिखाई देती है? यहाँ हम यह स्पष्ट

करना चाहते हैं कि यह सवाल उठाना किसी दूसरे धर्म के प्रति पूर्वाग्रह नहीं है; बल्कि उद्देश्य यह पढ़ना है कि सत्ता और राजनीति में धार्मिक अस्थाओं के साथ समान मर्यादा क्यों नहीं होनी चाहिए?

साथ ही यहाँ सवाल यह भी उठता है कि धर्म और भगवान पर टिप्पणी कर रहे मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को हिंदू धर्म के बारे में कितना ज्ञान है? राम को अमीरों का भगवान बता रहे रेड्डी को शायद यह पता नहीं कि भगवान राम का शबरी के आश्रम में जाना और उनकी भक्ति स्वीकार करना, निषादराज गुह के साथ उनका आत्मीय संबंध तथा वनवासी समाज के लोगों के साथ उनका लगाव इस बात के उदाहरण हैं कि राम के लिए भक्त की सामाजिक या आर्थिक स्थिति जरा भी महत्व नहीं रखती। जिन राम ने पिता के वचन की लाज रखने के लिए सारा राजपाट छोड़कर वन की राह पकड़ ली उन्हें अमीरों का भगवान बताना बेशर्मी की पराकाष्ठा है। वहीं भगवान शिव की आराधना में भी भक्तिभाव को ही प्रमुख माना जाता है। एक और बात रेवंत रेड्डी को जाननी चाहिए कि रामचरितमानस के उत्तरकांड में भगवान राम स्वयं शिव की महिमा बताने हुए कहते हैं कि शंकर की आराधना के बिना उनकी भक्ति भी प्राप्त नहीं हो सकती। यानी जिस राम को राजनीति में अमीरों का भगवान और शिव को गरीबों का भगवान बताना दो वर्गों में बांटने की कोशिश की जा रही है, उसी राम को परंपरा शिव को अपनी भक्ति का मार्ग बताती है। देखा जाये तो रेड्डी के बयान के बाद कांग्रेस को यह बताना चाहिए कि क्या भगवानों को बांटना उसकी नई राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है? राम को अमीर और शिव को गरीब बताकर आखिर ह्रासिल क्या होगा? उत्तर भारत को राम और दक्षिण भारत को शिव से जोड़कर क्या देश की एकता मजबूत होगी? भगवान किसी पार्टी की संपत्ति नहीं है। न राम भाजपा के हैं, न शिव कांग्रेस के। आस्था करोड़ों भारतीयों की निजी और सांस्कृतिक विरासत है।

तीन कार्यदिवस के भीतर जवाब नहीं मिलने पर होगी मानदेय रोकने की अनुशंसा

निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन में अनियमितताएं सामने आईं



बेमेतरा । महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों के सुचारु संचालन, बच्चों को पूरक पोषण आहार की उपलब्धता तथा विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी के लिए लगातार

निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा एकीकृत बाल विकास परियोजना नवागढ़ के अंतर्गत पांच आंगनबाड़ी केंद्रों- पड़कोडीह, अधियारखोर, खपरी, मानपुर एवं

समेसर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन में अनियमितताएं सामने आईं। निरीक्षण के निर्धारित समय पर अधियारखोर-01, खपरी, समेसर एवं मानपुर आंगनबाड़ी केंद्रों में एक भी

संबंधित कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को कारण बताओ नोटिस जारी

निरीक्षण में पाई गई अनियमितताओं के संबंध में संबंधित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उन्हें तीन कार्यदिवस के भीतर संतोषजनक जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समयवधि में संतोषजनक जवाब प्राप्त नहीं होने पर नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए मानदेय रोकने एवं सेवा समाप्ति की अनुशंसा किए जाने की चेतावनी दी गई है।

बच्चा उपस्थित नहीं पाया गया। इसके साथ ही बच्चों को दिए जाने वाले दैनिक नारते एवं गर्म भोजन (पूरक पोषण आहार) का वितरण नहीं किया जाना भी पाया गया। निर्धारित मीनू के अनुसार भोजन तैयार नहीं होने तथा बच्चों की अनुपस्थिति को विभागीय निर्देशों के पालन में गंभीर लापरवाही के रूप में लिया गया है।

नियमित निगरानी के दिए गए निर्देश

परियोजना अधिकारी एवं संबंधित सेक्टर पर्यवेक्षकों को आंगनबाड़ी केंद्रों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने तथा बच्चों की उपस्थिति, नारता एवं गर्म भोजन वितरण और केंद्रों के निर्धारित समय पर संचालन की सतत निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की अनियमितताओं की पुनरावृत्ति न हो। जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग ने स्पष्ट किया है कि बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य एवं प्रारंभिक शिक्षा से जुड़े दायित्वों के निर्वहन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण और आवश्यक कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

निरीक्षण के निर्धारित समय पर अधियारखोर

निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन में अनियमितताएं सामने आईं। निरीक्षण के निर्धारित समय पर अधियारखोर-01, खपरी, एवं मानपुर आंगनबाड़ी केंद्रों में एक भी बच्चा उपस्थित नहीं पाया गया।

घर से साल की लकड़ी बरामद, 23 चिरान और आरा जब्त

रायगढ़ । जिले में लकड़ी की अवैध कटाई और तस्करी के खिलाफवन विभाग की उड़नदस्ता टीम ने कार्रवाई करते हुए भगौर गांव में एक घर से साल की लकड़ी के 23 नग चिरान और हाथ आरा जब्त किया है। सूचना के आधार पर टीम ने घर और आंगन की जांच की, जहां लकड़ी रखी मिली। मामले में छेत्राग्राम यादव (42), निवासी भगौर के खिलाफभारतीय वन अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया गया है। वन विभाग अब जब्त लकड़ी की मात्रा और कीमत का आकलन कर आगे की कार्रवाई कर रहा है। वन विभाग के मुताबिक, उड़नदस्ता टीम को सूचना मिली थी कि भगौर निवासी छेत्राग्राम यादव के घर में साल की लकड़ी का अवैध रूप से चिरान कर भंडारण किया गया है। सूचना मिलने के बाद टीम ने उच्चाधिकारियों को इसकी जानकारी दी और मौके पर पहुंचकर जांच की। इस दौरान घर के अंदर और आंगन में साल की लकड़ी के 23 नग चिरान मिले। लकड़ी काटने में इस्तेमाल होने वाला हाथ आरा भी बरामद किया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, साल की लकड़ी का चिरान तैयार कर उसे बिक्री के लिए रखा गया था। वन विभाग को आशंका है कि लकड़ी भगौर के जंगल से लाकर काटी गई होगी। हालांकि, लकड़ी कहां से लाई गई थी और मामले में अन्य किसी की भूमिका है या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। टीम ने मौके से बरामद लकड़ी और हाथ आरा जब्त कर लिया। विभाग ने आरोपी के खिलाफ भारतीय वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। वन



विभाग के अनुसार, जंगलों से अवैध रूप से लकड़ी काटने, उसका चिरान करने और भंडारण करने से जुड़े मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की जाती है। इस कार्रवाई में उड़नदस्ता टीम के सहायक प्रभारी संदीप नामदेव, सोमेश टोप्पे और बोझदादर परिसर रक्षक भूषण जांगड़े सहित अन्य वनकर्मियों की भूमिका रही। सूचना मिलने के बाद टीम ने मौके पर पहुंचकर लकड़ी की जांच की और जब्ती की कार्रवाई पूरी की। रायगढ़ वन परिक्षेत्र में लकड़ी के अवैध भंडारण और तस्करी से जुड़े मामलों पर वन विभाग की निगरानी जारी है। भगौर में हुई इस कार्रवाई के बाद जंब लकड़ी की मात्रा, उसकी कीमत और स्रोत की जानकारी जुटाई जा रही है। रेंजर संजय लकड़ ने बताया कि जंब साल के चिरान का नापजोख कर उसकी कीमत का आकलन किया जा रहा है। मामले में आरोपी से पुछताछ की जा रही है और आगे की कार्रवाई जारी है। वन विभाग जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई करेगा।

बंधाई तालाब के पास मिली लाश की हुई पहचान, मौत की वजह अब भी रहस्य

परिजनों ने मौके पर पहुंचकर की पहचान, क्षत-विक्षत हालत में मिला शव



चांपा। मिशन फाटक के पास स्थित बंधाई तालाब के समीप मिली युवक की लाश की पहचान हो गई है। मृतक की शिनाख्त राहुल पटेल पिता कांति पटेल उम्र 36 वर्ष निवासी कैलाश नगर चांपा के रूप में की गई है, जो पिछले दो दिनों से बिना बताए घर से लापता था। शव मिलने की सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजनों ने उसकी पहचान की। युवक की मौत की खबर से परिवार में मातम फसर गया है। जानकारी के अनुसार, राहुल पटेल पिछले दो दिनों से घर से लापता था। उसके अचानक गायब होने के बाद परिजन उसकी तलाश में जुटे हुए थे। बताया जा रहा है कि परिजनों ने थाने में गुमशुदगी की सूचना भी दर्ज कराई थी और अपने स्तर पर आसपास के क्षेत्रों में उसकी खोजबीन कर रहे थे। इसी बीच बंधाई तालाब के पास एक

युवक की लाश मिलने की सूचना ने परिवार की चिंता बढ़ दी। अन्तहोनी की आशंका के बीच परिजन घटनास्थल पर पहुंचे, जहां शव की हालत देखकर उनकी आशंका सच साबित हुई। उन्होंने मृतक की पहचान राहुल पटेल के रूप में की। तालाब किनारे मिले शव की हालत काफ़ी खराब हो चुकी थी। शरीर के कई अंगों और चेहरे की स्थिति ऐसी थी कि पहचान करना मुश्किल हो रहा था। सूचना मिलने पर चांपा पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। शव को शासकीय बोंडीएम अस्पताल लाया गया है, जहां चिकित्सकीय जांच और पोस्टमार्टम

की प्रक्रिया के बाद शव परिजनों को सौंप जाने की कार्रवाई की जाएगी। दो दिनों से लापता राहुल का शव तालाब के पास मिलने से कई सवाल खड़े हो गए हैं। आखिर राहुल की मौत किन परिस्थितियों में हुई। वह घर से निकलने के बाद कहां गया था। क्या उसकी मौत किसी हादसे के कारण हुई या इसके पीछे कोई दूसरी वजह है। फिलहाल इन सवालों के जवाब सामने नहीं आए हैं। पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल राहुल की मौत से जुड़े रहस्य पर सबकी नज़रें टिकी हुई हैं।

पुसौर किडनैपिंग मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। रायगढ़ जिले में प्रोफेसर कपूर चंद गुप्ता के अपहरण और फिरोती के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, वारदात की साजिश में प्रोफेसर के गांव जकेला से जुड़ा बाइक मिस्त्री राजेंद्र कुमार महंत उर्फ प्रदीप महंत मुख्य भूमिका में था। आरोपियों के कब्जे और निशानदेही पर 99,100 रुपये नकद, घटना में इस्तेमाल मोटरसाइकिल, चाकू और मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। पुलिस ने 48 घंटे के भीतर मामले का खुलासा करने का दावा किया है। पुसौर थाना प्रभारी निरीक्षक हर्षवर्धन सिंह बैस के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। पुलिस ने सबसे पहले सुनील सारथी निवासी छतामुड़ा को घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया। इसके बाद पुछताछ और लगातार दबिश के आधार पर मुख्य आरोपी राजेंद्र कुमार महंत उर्फ प्रदीप महंत, उसके छोटे भाई नरेंद्र उर्फ नंदू महंत और ग्राम औरदा निवासी दिनेश सारथी को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने प्रोफेसर को नौकरपेशा और सीधे-सादे व्यक्ति के रूप में देखकर उनके परिवार से फिरोती वसूलने की योजना बनाई थी। मामले में ऑनलाइन ट्रांसफर की गई रकम में से लगभग एक लाख रुपये की बरामदगी की जानकारी दी गई है। पुलिस ने आरोपियों को घटनास्थल पर ले जाकर घटनाक्रम का रिक्रिएशन भी



कराया। पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपियों ने कथित तौर पर 3 अक्टूबर को छतामुड़ा स्थित सुनील सारथी के मकान में बैठकर अपहरण की योजना बनाई थी। इसके बाद 5 अक्टूबर की शाम आरोपी दिनेश सारथी के भाई की कारले रंग की हीरो सीडी डीलक्स मोटरसाइकिल से ग्राम जकेला स्थित राइस मिल के पास पहुंचे। वहां प्रोफेसर कपूर चंद गुप्ता सड़क किनारे अकेले बैठकर मोबाइल देख रहे थे। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से प्रोफेसर को घेरा, धक्का देकर गिराया और पकड़कर डबरी के पीछे सुरसान स्थान पर ले गए। वहां चाकू की नोक पर उनका अपहरण किया गया। मामले में चारों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

प्रतिभा कॉलेज में नवरात्रि स्पेशल मेहंदी एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन



सरायपाली । विद्यार्थियों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा प्रतिभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, बलसौर में प्रतिभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन एवं रामचंडी महाविद्यालय के सहयोग से बी.एड. एवं डी.एल.एड. के विद्यार्थियों के लिए मेहंदी एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता, कलात्मक कौशल एवं सांस्कृतिक अभिरुचि को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना था। कार्यक्रम में मेहंदी प्रतियोगिता के लिए 'नवरात्रि स्पेशल मेहंदी' तथा पेंटिंग प्रतियोगिता के लिए 'विकसित भारत

2047' विषय निर्धारित किया गया। दोनों प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी कल्पनाशीलता, कलात्मक दक्षता एवं विषय के प्रति समझ का परिचय दिया। मेहंदी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने नवरात्रि पर्व की सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्ता को आकर्षक मेहंदी डिजाइनों के माध्यम से प्रस्तुत किया। वहीं, पेंटिंग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने 'विकसित भारत 2047' विषय के अंतर्गत देश के विकास, आधुनिक तकनीक, शिक्षा, आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण एवं उज्ज्वल भविष्य की कल्पना को अपनी चित्रकलाओं में अभिव्यक्त किया।

छल पुलिस की जुआ फड़ पर बड़ी कार्रवाई

रायगढ़। ऑपरेशन अंकुश के तहत छल पुलिस ने ग्राम बड़े जामपाली की जंगल रोड किनारे जुआ खेल रहे तीन आरोपियों को पकड़ है। पुलिस ने मौके से 63,200 नकद, 52 पत्ती तारा एवं एक प्लास्टिक की बोरी जब्त की है। आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम, 2022 की धारा 3(2) के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई है। 8 अक्टूबर को थाना प्रभारी छल निरीक्षक नासिर खान को मुखबिार से सूचना मिली कि ग्राम बड़े जामपाली की जंगल रोड किनारे सार्वजनिक स्थान पर कुछ लोग तारापत्ती से रुपये-पैसों का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर एसडीओपी खरसिया सतीश भार्गव के सुपरविजन में थाना छल पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दबिश दी। पुलिस को देखकर वहां मौजूद लोगों में हलचल मच गई। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने तीन आरोपियों को जुआ



खेलते पकड़ तथा फड़ से नकदी और तारापत्ती बरामद की। जंबा सामग्री को गवाहों के समक्ष विधिवत जम्ती पत्रक के माध्यम से जब्त किया गया। पुलिस ने मौके से दीपक पाठक (41 वर्ष), निवासी बगौचा, जिला जशपुरय राजबहादुर पाटले (33 वर्ष), निवासी गोडी, थाना रामपुर, जिला कोरबाय तथा अपवेश सिंह राजपुत (50 वर्ष), निवासी कुकरीचोली, थाना उरगा, जिला कोरबा को पकड़। आरोपियों के पास एवं जुआ फड़ से कुल 63,200 नकद, 52 पत्ती तारा और एक प्लास्टिक की बोरी जब्त की गई।

राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में रायगढ़ पुलिस की मानवीय पहल

रायगढ़। भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आयोजित वर्षव्यापी राष्ट्रीय कार्यक्रमों की श्रृंखला में रायगढ़ पुलिस ने सामाजिक संस्कारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए स्वीच्छक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। रक्षित केंद्र रायगढ़ में आयोजित इस शिविर में जिला पुलिस के 22 अधिकारी एवं जवानों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए योगदान दिया। शिविर में रक्षित निरीक्षक अमित सिंह ने भी रक्तदान किया। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर देशभर में वृक्षारोपण, रक्तदान शिविर तथा सामाजिक सहभागिता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, आपसी सदभाव और सेवा की भावना को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी क्रम में विगत दिनों मेडिकल कॉलेज की टीम ने पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह से सैन्य भेंट की थी। इस दौरान स्वीच्छक रक्तदान शिविर के आयोजन पर चर्चा हुई, जिसके बाद रक्षित केंद्र में शिविर आयोजित किया गया। पुलिस अधिकारी एवं जवानों ने जसाहदपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान को सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में

अपनने का संदेश दिया। शिविर में पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह स्वयं पहुंचे और रक्तदान करने वाले अधिकारी एवं जवानों की सराहना की। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक ऐसा पुनीत कार्य है, जिससे किसी जरूरतमंद व्यक्ति को जीवनदान मिल सकता है। पुलिस की जिम्मेदारी केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रति संवेदनशीलता, सहयोग और मानवीय मूल्यों को मजबूत करना भी है। उन्होंने पुलिसकर्मियों के इस सेवाभावी प्रयास की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी ऐसे सामाजिक एवं जनहितकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाने की बात कही। रायगढ़ पुलिस द्वारा राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सहभागिता और जनसेवा की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से आगे भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।



अमावस्या पर दीक्षित परिवार ने जिला चिकित्सालय में किया फल वितरण, पूर्वजों की स्मृति में सेवा का अनुकरणीय संदेश

बलौदाबाजार । पितृ अमावस्या भारतीय संस्कृति में अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त करने का पावन अवसर है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि हमारे जीवन की जड़ें हमारे पूर्वजों के त्याग, संस्कारों, आशीर्वाद और उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग में समाहित हैं। पितरों का स्मरण केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि उनके दिए संस्कारों को अपने जीवन में अपनाने और मानवता की सेवा के माध्यम से उन्हें सच्ची श्रद्धाजलि अर्पित करने का भी अवसर है। इसी भावनात्मक भावना और पूर्वजों के प्रति श्रद्धा को आत्मसात करते हुए अधिन अमावस्या एवं पितृपक्ष की अमावस्या के पावन अवसर पर दीक्षित परिवार द्वारा बलौदाबाजार जिला चिकित्सालय में गरीब एवं



जरूरतमंद मरीजों तथा उनके परिजनों को फल वितरित किए गए। इस सेवा कार्य के माध्यम से परिवार ने यह संदेश दिया कि पितरों के प्रति सच्ची श्रद्धा तभी सार्थक होती है, जब उनके संस्कारों को आगे बढ़ते हुए जरूरतमंदों के जीवन में संवेदना, सहयोग और अपनत्व का संचार किया जाए। इस अवसर पर स्वर्गीय जगत नारायण दीक्षित की धर्मपत्नी सूर्य देवी दीक्षित (96 वर्ष) के प्रति सम्मान और पारिवारिक संस्कारों की भावना के साथ परिवार

के सदस्यों ने सेवा कार्य में सहभागिता निभाई। परिवार की वरिष्ठ सदस्य मती सूर्य देवी दीक्षित के जीवन से जुड़ी पारिवारिक परंपराओं और संस्कारों की भावना के बीच आयोजित इस कार्यक्रम ने पितृपक्ष के महत्व को सेवा और मानवीय संवेदना से जोड़ने का संदेश दिया। जिला चिकित्सालय में उपचररत मरीजों और जरूरतमंद लोगों को फल वितरित कर परिवार ने उनके प्रति सहानुभूति और सहयोग की भावना व्यक्त की।

घुटरा में बेखौफ जारी अवैध रेत उत्खनन, नदी-नालों के अस्तित्व पर संकट, हादसों की बनी आशंका

मनेन्द्रगढ़ । जिला मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर दूर ग्राम घुटरा एवं आसपास के क्षेत्रों में कथित रूप से लंबे समय से अवैध रेत उत्खनन का खेल जारी है। नदी-नालों से लगातार रेत निकाले जाने से जहां प्राकृतिक संसाधनों का दोहन हो रहा है, वहीं पर्यावरणीय नुकसान के साथ-साथ भविष्य में बड़ी दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि जिम्मेदार विभागों की निगरानी के अभाव में रेत उत्खनन करने वाले लोगों के हौसले बुलंद हैं। बताया जा रहा है कि घुटरा और आसपास के इलाकों में रेत के लिए मशीनों एवं वाहनों का उपयोग किए जाने की शिकायतें सामने आती रही हैं। नियमों के विपरीत नदी क्षेत्र में खुदाई किए जाने से कई स्थानों पर गहरे गड्ढे बनने की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। बारिश के बाद ऐसे गड्ढे पानी से भर जाने पर ग्रामीणों, बच्चों और मवेशियों के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। यदि समय रहते इस दिशा में कार्रवाई नहीं की गई तो किसी बड़े हादसे के बाद ही प्रशासन की नीड खुलने की आशंका ग्रामीणों में व्यक्त की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि रेत उत्खनन से नदी के प्राकृतिक स्वरूप में बदलाव के साथ आसपास के पर्यावरण पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। नदी की



जलधारा प्रभावित होने, किनारों के कटाव और भू-जल स्तर पर संभावित प्रभाव को लेकर भी चिंता जताई जा रही है। इसके अलावा भारी वाहनों की

आवाजाही से ग्रामीण मार्गों की स्थिति बिगड़ने और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिला मुख्यालय से महज 25 किलोमीटर की दूरी पर यदि खुले तौर पर रेत का अवैध उत्खनन हो रहा है, तो संबंधित विभागों की निगरानी व्यवस्था आखिर कहां है? क्या जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं है या फिर शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं हो रही है? यह सवाल अब ग्रामीणों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं खनिज विभाग से घुटरा तथा आसपास के नदी क्षेत्रों का तत्काल निरीक्षण कराने, अवैध उत्खनन की जांच करने और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही नदी क्षेत्र में बने संभावित खतरनाक गड्ढों को चिह्नित कर सुरक्षा के इंतजाम करने की मांग भी उठाई गई है।

107 वर्ष पूर्ण करेगी 1920 से स्थापित भाटापारा की रामलीला का आज से होगा शुभारंभ

भाटापारा। भाटापारा नगर की ऐतिहासिक और 106 वर्ष प्राचीन आदर्श रामलीला नाटक मंडली द्वारा इस वर्ष 107वें वर्ष के रामलीला मंचन को तैयार है। रामलीला समिति के अध्यक्ष प्रकाशचंद शर्मा एवं सचिव कोमल शर्मा को कि पात्रों के अभिनय की हिंदुस्तल कराने के लिए विगत तीन माह से मेहनत कर रहे हैं, उन्होंने बताया कि वर्ष 1920 में स्थापित यह रामलीला छत्तीसगढ़ की सबसे प्राचीन रामलीलाओं में से एक है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही यह परंपरा आज भी पूरी श्रद्धा और भव्यता के साथ निभाई जा रही है। इस वर्ष रामलीला का शुभारंभ रविवार को सायं 7:30 बजे से रामलीला मैदान में होगा। समिति के वरिष्ठ सदस्य देवनागर शर्मा एवं हेमंत मल ने बताया कि इस बार मंच, प्रकाश व्यवस्था और पोशाकों को



विशेष रूप से आकर्षक बनाया गया है। लगभग 80 से अधिक स्थानीय कलाकार एवं प्रबंधन कई दिनों से अभ्यास व व्यवस्था करने में लगे हैं। 11 दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में श्रवण-प्रसंग, नारद मोह, धनुष यात्रा, सीता हरण, बालीवध, लंकादाहन, अंगद रावण संवाद, कुंभकर्ण वध,देवीलीला अहिरावण वध, की लीला प्रस्तुत की जाएगी हैं। सूर्यकांत शुक्ला जी एवं संदीप मल, शिवनारायण गुप्ता जो कि कलाकारों के

तैयार करने के लिए जाने जाते हैं इन्होंने बताया की इसबार नई-नई पोशाकों के साथ नए अस्त्र शस्त्र एवं रंग रोपन के समान मंडली के द्वारा लागू गए हैं जो की आकर्षण का केंद्र होंगे। समिति के उपाध्यक्ष जगदीश वैष्णव ने बताया की सारे कलाकार आने वाले मंचन के लिए रोमांचित एवं उत्साहित हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को तैयार हैं । रामलीला मंचन का लाइव सीधा प्रसारण खबर भाटापारा के यूट्यूब पर होगा।

शारदीय नवरात्रि के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा

ब्रह्म का अर्थ है तपस्या और चारिणी यानी आचरण करने वाली। इस प्रकार ब्रह्मचारिणी का अर्थ हुआ तप का आचरण करने वाली। शारदीय नवरात्रि के दूसरे दिन यानी द्वितीया को माता ब्रह्मचारिणी की पूजा होती है। माता का वाहन हंस है। साधक इस दिन अपने मन को मों के चरणों में लगाते हैं। इनके दाहिने हाथ में जप की माला एवं बाएँ हाथ में कमण्डल रहता है।

मां ब्रह्मचारिणी व्रत की कथा

पूर्वजन्म में हिमालय की पुत्री के रूप में जन्मी देवी ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए नारद जी के उपदेश पर अत्यंत कठिन तपस्या की। हजारों वर्षों तक उन्होंने केवल फल, शाक और बाद में केवल सूखे हिल्व पत्र खाकर तप किया। अंत में उन्होंने अन्न-जल और पत्तों का भी त्याग कर दिया, जिस कारण वे 'अपर्णा' कहलाई। उनकी इस

अभूतपूर्व तपस्या से प्रसन्न होकर देवताओं और ऋषियों ने उनकी सराहना की। ब्रह्मा जी ने उन्हें आशीर्वाद दिया कि उनकी मनोकामना पूर्ण होगी और भगवान शिव उन्हें पति रूप में प्राप्त होंगे। कठिन संघर्षों में भी मन विचलित नहीं होना चाहिए। नवरात्रि के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा की जाती है, जो सर्व सिद्धि देने वाली है।

मां ब्रह्मचारिणी को भोग में क्या चढ़ाएं ?

चैत्र नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। इस दौरान मां दुर्गा के अलग-अलग रूपों की विधि-विधान से पूजा की जाती है। इसके साथ ही माता को हर दिन अलग-अलग भोग अर्पित किए जाते हैं। नवरात्रि के दूसरे दिन मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप माता ब्रह्मचारिणी को भोग में क्या चढ़ाना चाहिए और उसकी आसान रेसिपी। मां

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मां ब्रह्मचारिणी तपस्या, सयम और साधना की प्रतीक मानी जाती हैं। मान्यता है कि माता की आराधना से साधक को मानसिक शांति, आत्मखल और तप में सफलता प्राप्त होती है। नवरात्रि के इस दिन मां को सफेद वस्त्र धारण कर पूजा करने की मान्यता है। इसके साथ ही पूजा में सफेद चीजों का भोग लगाया शुभ माना जाता है।

आज का राशिफल

मेष राशि - मेष राशि वालों के लिए कल का दिन जमीन-जायदाद से जुड़े मामलों में राहत लेकर आ सकता है। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे और आपके काम की सराहना हो सकती है। आर्थिक लाभ के योग हैं। कारोबार के सिलसिले में की गई यात्रा फायदेमंद रहेगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृषभ राशि - वृषभ राशि वालों को कल विरोधियों पर बढ़त मिल सकती है। कार्यस्थल पर सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा और आपको कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। लंबे समय से अधुरा पड़ा काम पूरा होने की संभावना है। घन लाभ के साथ मान-सम्मान भी बढ़ेगा। उपहार या पुरस्कार मिलने की उम्मीद है।

मिथुन राशि - मिथुन राशि वालों के लिए कल का दिन नई शुरुआत के लिहाज से अच्छा रह सकता है। किसी जरूरी काम में सफलता मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। नए काम या कारोबार से लाभ के अवसर मिलेंगे। विरोधियों की बात सफल नहीं होगी। माता-पिता और प्रभावशाली लोगों का सहयोग मिलने से काम आसान होगा। कार्यस्थल पर किसी की भावनाओं को ठेस न पहुंचाएं। धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिल सकता है।

कर्क राशि - कर्क राशि वालों को कल अपनी मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है। पुराने परिचित और शुभचिंतक जरूरत के समय काम आएंगे। नौकरी और कारोबार में सफलता मिलने के संकेत हैं। घर के लिए जरूरी सामान खरीद सकते हैं। परिवार में खुशहाली रहेगी और सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी हो सकती है। दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ धूमने-फिरने का अवसर मिलेगा। खानपान का आनंद लेंगे। शिवारों और गुरसों पर नियंत्रण रखें।

सिंह राशि - सिंह राशि वालों के लिए कल का दिन मान-सम्मान और तरक्की के अवसर लेकर आ सकता है। सामाजिक संघर्षों का फायदा मिलेगा और लंबे समय से बिगड़ा काम बनने की उम्मीद है। कारोबार में अच्छा लाभ हो सकता है। विरोध के साथ धूमने-फिरने की योजना बनेगी। वाहन से सुख मिलने के योग हैं। दोपहर बाद समय अनुकूल होगा और शरीर में ऊर्जा बढ़ेगी। आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। इसमें

कन्या राशि - कन्या राशि वालों के मन में कल नई उम्मीद जागेगी। धैर्य और हिम्मत से आप अपने जरूरी काम पूरे कर सकते हैं। आमदनी बढ़ाने के नए मौके मिलेंगे और नौकरी में उत्साह बना रहेगा। आपके काम की तारीफ हो सकती है। दायव्य जीवन सुखद रहेगी और स्वास्थ्य भी अच्छा रहने की संभावना है। नकारात्मक विचारों और गलत फैसलों से दूर रहें। किसी भी काम में जल्दबाजी न करें। परिवार में मनमुटाव से बचने के लिए संयम रखें। काम में सफलता पाने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है।

तुला राशि - तुला राशि वालों को कल पुरानी समस्याओं से राहत मिल सकती है। मेहनत के दम पर सफलता की ओर आगे बढ़ेंगे और आर्थिक स्थिति संतुलित रखने में कामयाब रहेंगे। हालांकि, परिवार की जिम्मेदारियों पर खर्च बढ़ सकता है। विधायियों के लिए दिन अच्छा रहेगा। पढ़ाई में प्रगति और नई चीजें सीखने के अवसर मिलेंगे। दोपहर बाद मन में स्थिरता आएगी और अग्रे क़म पूरे कर सकेंगे। रचनात्मक कार्यों में मान-सम्मान मिलने की संभावना है।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि वालों के लिए कल का दिन आर्थिक और व्यावसायिक मामलों में अच्छा रह सकता है। कारोबार में कोई सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकता है। जमीन-जायदाद से जुड़े काम पूरे होने की संभावना है। मित्रों और रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। सामाजिक संपर्क मजबूत होंगे और आप अपने मान-सम्मान की रक्षा कर पाएंगे। नए काम शुरू करने का उत्साह बढ़ेगा और किसी काम की शुरुआत कर सकते हैं।

धनु राशि - धनु राशि वालों का कल आत्मविश्वास बढ़ेगा और रुके हुए कामों में गति आएगी। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सकता है। किसी बड़ी योजना को पूरा करने में दूसरों का सहयोग मिलेगा। सही योजना और धैर्य के साथ आगे बढ़ेंगे तो अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।

मकर राशि - मकर राशि वालों को कल आजीविका से जुड़ी चिंताओं से राहत मिल सकती है। साहस के साथ किए गए कामों में सफलता मिलने की उम्मीद है। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी और विरोधियों पर बढ़त मिलेगी। सामाजिक संघर्षों का लाभ मिल सकता है। लंबे समय से अटक हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है। माता के साथ संबंध अच्छे रहेंगे और कार्यस्थल पर अधिकारियों से तालमेल सुधरेगा। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ राशि - कुंभ राशि वालों के लिए कल का दिन लाभ और नए अवसर लेकर आ सकता है। मित्रों और परिवार के लोगों का सहयोग मिलेगा। आमदनी बढ़ने के संकेत हैं और नए लोगों से संपर्क बनेंगे। घर में सुख-शांति का माहौल रहेगा। आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और लंबे समय से मन में चल रही कोई इच्छा पूरी हो सकती है। काम का बोझ बढ़ने से थकान हो सकती है, लेकिन दोपहर बाद सेहत में सुधार होगा। दोस्तों से मुलाकात और धूमने-फिरने की योजना बन सकती है।

मीन राशि - मीन राशि वालों को कल चिंता और परेशानी से राहत मिलने की उम्मीद है। मेहनत का फल मिलेगा और कार्यक्षेत्र में आपके काम की सराहना हो सकती है। परिवार की किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को आप धैर्य और समझदारी से पूरा करेंगे। शांत स्वभाव और सहनशीलता से भ्रूषिकल परिस्थितियों को रोंगलाने में मदद मिलेगी। स्वास्थ्य ब्रिगडने और गुरसा बढ़ने की आशंका है।



मां ब्रह्मचारिणी की पूजा का विधान

पूजा सामग्री:
फूल: माँ को पीले या सफेद रंग के फूल (जैसे चमेली या गेंदा) अत्यंत प्रिय हैं।
भोग: शक्कर (चीनी), मिश्री या पंचामृत।
वस्त्र: संभव हो तो पूजा के समय पीले या सफेद वस्त्र धारण करें।
अन्य: चंदन, अक्षत, धूप, दीप और सुपारी।



धी, 1 चम्मच चीनी।
बनाने की विधि: पंचामृत को हमेशा स्नान करने के बाद बनाना चाहिए। सबसे पहले एक बड़े कटोरे में गाय का दूध ले लें। इसमें देसी घी, शहद, दही को अच्छी तरह मिला लें। इसके बाद इसमें चीनी डालकर अच्छे से घोल लें। इसके अलावा पंचामृत में मखाने, चिंईजी और किशमिश भी डाल सकते हैं। पंचामृत के अलावा आप

बच्चों की इम्युनिटी बूस्ट करने के लिए क्या खिलाएं

बदलते मौसम में बच्चे बीमार होने लगते हैं, कभी सर्दी, कभी खांसी और फिर बुखार। ऐसे में ब सिर्फ बच्चे परेशान होते हैं बल्कि माता-पिता को भी परेशानी होती है। अगर बच्चा बार-बार बीमार हो रहा है या फिर उसे सर्दी-खांसी हो रही है, तो जाहिर है कि उसकी इम्युनिटी कमजोर है। बच्चा बीमार हो तो बिना डॉक्टर की सलाह के कुछ भी नहीं देना चाहिए लेकिन उसकी इम्युनिटी को बूस्ट करने के लिए डाइट में कुछ चीजों को शामिल कर सकती हैं। ऐसी 7 चीजें हैं, जो बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के साथ अन्य स्वास्थ्य लाभ भी पहुंचाएंगे। चलिए आपको बताते हैं बच्चों को बार-बार होने वाली सर्दी-खांसी से बचाने के लिए क्या खिलाएं।

आंवला

आंवला विटामिन C से भरपूर होता है, जो शरीर की सामान्य इम्यून फंक्शनिंग में अहम भूमिका निभाता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण वाले कई गुण पाए जाते हैं। बच्चों की डाइट में आंवला शामिल करने से उन्हें विटामिन C और



अन्य पोषक तत्व मिल सकते हैं।

दही

दही में प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन B12 जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें मौजूद बैक्टीरियल कल्चर आंतों के माइक्रोबायोम को सपोर्ट करते हैं और साथ ही इम्युनिटी को बूस्ट करने में मदद करते हैं।

शकरकंद

शकरकंद में बीटा-कैरोटीन भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जिसे शरीर विटामिन A में बदलता है। विटामिन A इम्यून फंक्शन के लिए जरूरी पोषक तत्व माना जाता है। इसके अलावा शकरकंद में फाइबर, विटामिन C और कई एंटीऑक्सीडेंट भी पाए जाते हैं, जो बच्चों के लिए

बादाम

बादाम में प्रोटीन, फाइबर, हेल्थी फैट, विटामिन E और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। खासतौर पर विटामिन E एक एंटीऑक्सीडेंट है, जो इम्यून फंक्शन के लिए जरूरी है। बच्चों को बादाम उनकी उम्र के हिसाब से दें।

अदरक-लहसुन

अदरक में जिंजरोल और लहसुन में सल्फर जैसे नेचुरल कंपाउंड पाए जाते हैं। इन दोनों में एंटीऑक्सीडेंट और अन्य गुणों वाले तत्व मौजूद होते हैं। इन्हें आप बच्चों की डाइट में शामिल करें। इससे न सिर्फ पाचन बेहतर होगा बल्कि इम्युनिटी बढ़ाने में

बैंगन के साथ दही खाना पड़ सकता है भारी

बैंगन और दही दोनों ही फूड्स हैं। अपने गुणों के लिए जाने जाते हैं और इन्हें खाना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। बैंगन की सब्जी, भर्ता लोग बड़े मजे से खाते हैं, तो वही दही का रायता या सादी दही भी लोगों को खाना काफ़ी पसंद होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं बैंगन और दही को साथ में खाना आपकी सेहत पर भारी पड़ सकता है। वलिए आपको दोनों के फायदे और साथ में खाने के नुकसान बताते हैं।

बैंगन में क्या पाया जाता है?

बैंगन एक पौष्टिक सब्जी है, जिसमें फाइबर, विटामिन C, विटामिन K, फोलेट, पोटेशियम और मैग्नीज जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट भी मौजूद होते हैं, जिनमें खासतौर पर बैंगनी छिलके में पाया जाने वाला एंथोसायनिन सबसे जरूरी होता है। बैंगन में कैलोरी कम और पानी की मात्रा ज्यादा होती है, इसलिए इसे बेलेंस डाइट का हिस्सा माना जा सकता है। हालांकि, बैंगन शरीर में गर्मी पैदा करता है और थोड़ा सा एसिडिक माना जाता है।

दही के गुण क्या हैं?

दही में प्रोटीन, कैल्शियम, फॉस्फोरस, विटामिन B12, राइबोफ्लेविन और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें प्रोबायोटिक्स यानी हेल्दी



बैक्टीरिया होते हैं, जो पेट के लिए अच्छे माने जाते हैं। तो वही दही की तासीर ठंडी होती है।

दही-बैंगन साथ में खाने के 5 नुकसान

कई लोग बैंगन की सब्जी, दाल, चावल, रोटी और दही अपनी प्लेट में शामिल कर लेते हैं। वैसे तो ये प्लेट काफ़ी हेल्दी लग रही है लेकिन एसिडिटी और ठंडी तासीर वाले फूड को साथ में खाना सेहत के लिए बुरा है। चलिए इससे क्या होता है बताते हैं।

1. पाचन तंत्र और ठे खराब
अगर आप बैंगन और दही को साथ में खाते हैं, तो पेट खराब हो सकता है। इसे साथ में खाने से पेट फूलना, अपच, कब्ज, गैस की समस्या होती है। ज्यादा खा लेने से उल्टी-दस्त की समस्या भी हो सकती है।

2. स्किन एलर्जी

आयुर्वेद के अनुसार, बैंगन-दही गलत फूड कॉम्बिनेशन है, जिसे

खाने से आपको स्किन एलर्जी हो सकती है। इससे स्किन एलर्जी, रैशज, चकत्ते हो सकते हैं। कई लोगों को छोटे खुजली वाले दाने होने की समस्या भी हुई है।

3. हड्डियों में दर्द
ठंडी और गर्म तासीर यानी बैंगन-दही साथ में खाने से जोड़ों का दर्द भी हो सकता है। दोनों की तासीर अलग होती है। आपकी हड्डियों में दर्द पैदा कर सकता है। जिन लोगों को अर्थराइटिस की समस्या है, वह गलती से भी बैंगन-दही साथ में ना खाए।

4. सर्दी-जुकाम की समस्या

जिन लोगों को बार-बार सर्दी-जुकाम की समस्या रहती है, उन्हें भी बैंगन-दही साथ में नहीं खाना चाहिए। दोनों की तासीर अलग होने की वजह से यह शरीर में कफ़, खांसी, जुकाम की समस्या पैदा करता है।

पूजा विधि:
स्नान व शुद्धि: प्रातः जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र पहनें। पूजा स्थान पर गंगाजल छिड़क कर उसे पवित्र करें।
आवाहन व ध्यान: सबसे पहले कलश देवता और गणेश जी की पूजा करें। इसके बाद हाथ में फूल और अक्षत लेकर माँ ब्रह्मचारिणी का ध्यान करें।
पंचामृत स्नान: माँ की प्रतिमा या चित्र को पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, चीनी का मिश्रण) से प्रतीकात्मक स्नान कराएं।
अर्पण: माँ को गंध, अक्षत, पीले फूल और सिंदूर अर्पित करें।
विशेष भोग: माँ ब्रह्मचारिणी को शक्कर या मिश्री का भोग लगाएं। मान्यता है कि इससे लंबी आयु और सौभाग्य का वरदान मिलता है।
कन्या भोज- इस दिन ऐसी कन्याओं का पूजन किया जाता है कि जिनका विवाह तय हो गया है लेकिन अभी शादी नहीं हुई है। इन्हें अपने घर बुलाकर पूजन के पश्चात भोजन कराकर वस्त्र, पात्र आदि भेंट किए जाते हैं।

पूजा मंत्र: “ॐ देवी ब्रह्मचारिण्यै नमः॥
बीज मंत्र- ह्रीं श्री अंबिकायै नमः।
जाप मंत्र: ॐ ऐं ह्रीं क्लीं ब्रह्मचारिण्यै नमः।

मावा बर्छी का भोग भी लगा सकते हैं। आइए जानते हैं इसे बनाने की सरल विधि क्या है।
बर्छी बनाने की सामग्री: 250 ग्राम मावा, 30 ग्राम घी, 250 ग्राम शक्कर का पाउडर, 1 चम्मच इलायची पाउडर
बनाने की विधि: सबसे पहले एक कड़ाही या पैन में घी गर्म करें। इसमें मावा डालकर मध्यम आंच पर लगातार चलाते हुए हल्का सुनहरा होने तक भूरा लें। जब मावा का रंग हल्का भूरा हो जाए और उसमें खुशबू आने लगे, तब इसमें इलायची पाउडर डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब गैस बंद कर दें और मावा को थोड़ा ठंडा होने के लिए रख दें। ध्यान रखें कि मावा पूरी तरह ठंडा हो जाए, तभी उसमें पिसी हुई चीनी डालें। इसके बाद मावा और चीनी को अच्छे से मिवस कर लें ताकि मिश्रण रमूद बन जाए। अब एक थाली या बड़ी प्लेट में हल्का सा घी लगाकर ग्रीस कर लें और तैयार मिश्रण को उसमें समान रूप से फैला दें। ऊपर से हल्का दबाकर सेट कर दें। करीब 30 मिनट बाद जब मिश्रण सेट हो जाए, तो इसे मनवाहे आकार में काट लें। अब इस प्रसाद को माता रानी को अर्पित कर सकते हैं।

अचानक तेज सिरदर्द को न करें नजरअंदाज

सिरदर्द का महीना ब्रेन एव्यूरिज्म जागरूकता के रूप में मनाया जाता है। बहुत कम लोग इस समस्या के बारे में जानते हैं कि ब्रेन एव्यूरिज्म युवाओं को भी प्रभावित कर सकता है। ब्रेन एव्यूरिज्म उस स्थिति को कहते हैं, जब दिमाग तक खून पहुंचाने वाली रक्त वाहिका की दीवार का कमजोर हिस्सा फूलकर गुब्बारे जैसा हो जाता है। कई एव्यूरिज्म का पता नहीं चल पाता, क्योंकि उनमें कोई लक्षण नहीं होते और वो सालों तक बिना बदलाव के रह सकते हैं। लेकिन एव्यूरिज्म फटने पर दिमाग के आसपास ब्लीडिंग हो सकती है, जिसे सबरेक्ट्रिब्रंड हेमरेज कहा जाता है। यह जानलेवा आपातस्थिति बन सकती है।

हल्दी
हल्दी में करक्यूमिन नाम का कंपाउंड पाया जाता है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी होते हैं। हल्दी इम्युनिटी बढ़ाने में मददगार होती है। आप बच्चों को इसे खाने के जरिए या फिर दूध में घोलकर दे सकते हैं। इससे सर्दी-खांसी-खराश में भी फायदा मिलेगा।

मूंग दाल
मूंग दाल प्रोटीन, फाइबर, फोलेट, आयरन, मैग्नीशियम और अन्य माइक्रो-यूट्रिएंट्स का अच्छा स्रोत है। फर्मांत प्रोटीन और जरूरी विटामिन-मिनरल बॉडी की ग्रोथ और इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए फायदेमंद होते हैं। मूंग दाल भी आप बच्चों की डाइट में शामिल कर सकते हैं।

हाइट के हिसाब से कितना होना चाहिए वेट ?

हेल्दी और फिट रहने के लिए बीमारियों से बचे रहना बेहद जरूरी है। आज के समय में ज्यादातर बीमारियों का कारण मोटापा है। ऐसे में वजन को कंट्रोल में रखना बेहद जरूरी माना जाता है। बढ़े हुए वजन से परेशान लोगों को अवसर नहीं पता होता है कि उनकी हाइट के हिसाब से कितना वेट होना चाहिए। आपने भी डॉक्टर से को ये कहते सुना होगा कि हाइट के हिसाब से आपका वेट ज्यादा है इसे कम करने की जरूरत है। ऐसे में सवाल उठता है कि हाइट के हिसाब किसी भी व्यक्ति का वेट कितना होना चाहिए। एक व्यक्ति का परफेक्ट वजन केवल तौल के पैमाने से मापे गए वजन पर ही निर्भर नहीं होता है। हाइट, उम्र, शरीर में मासपोथिय और फैट की मात्रा और कमर की चर्बी सभी ऐसे कारक हैं जिन्हें एक व्यक्ति की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में बात करते समय ध्यान में रखना जरूरी है। फिर भी एक व्यक्ति के हाइट के मुताबिक उसका परफेक्ट वजन जानने के लिए बॉडीमास इंडेक्स मापना जरूरी है। BMI (शरीर द्रव्यमान सूचकांक) यह जानने का एक आसान तरीका है कि आपकी लंबाई के हिसाब से आपका वजन सही है या नहीं। इसे निकालने का तरीका है अपनी लंबाई (मीटर में) को खुद उसी से गुणा करें (जैसे 1.65 * 1.65 = 2.72)। अब अपने वजन (किलोग्राम) को इस संख्या से भाग दें (जैसे 60/2.72 = 22) है।

मां ब्रह्मचारिणी की पूजा के लिए पीले कपड़ों में दिखें सुंदर और स्टाइलिश

नवरात्रि के दूसरे दिन पर मां ब्रह्मचारिणी की पूजा होती है। यह देवी तप, त्याग और सच्ची भक्ति का प्रतीक मानी जाती है। इस दिन भक्त मां की पूजा करते हैं और उनसे शक्ति व धैर्य की कामना करते हैं। इसके अलावा, नवरात्रि का हर दिन एक खास रंग के साथ भी जुड़ा होता है। इस दिन पर पीले रंग का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह रंग खुशी, रोशनी और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन पीला रंग पहनने से मन प्रसन्न रहता है और दिन की शुरुआत अच्छी होती है।

वर्षों में पीला रंग इतना खास?
पीला रंग सूर्य से जुड़ा हुआ माना जाता है। यह ऊर्जा, उत्साह और नई शुरुआत का संकेत देता है। पीला रंग ना सिर्फ आपको खुबसूरत दिखाता है, बल्कि आपके मूड को भी बेहतर बनाता है। यह रंग आत्मविश्वास बढ़ाता है और आपको दिनभर एक्टिव भी रखता है।
लड़कियों के लिए फैशन टिप्स
अगर आप नवरात्रि के दूसरे दिन खाने दिखना चाहती हैं, तो पीले रंग का लहंगा, अनारकली सूट या साड़ी पहन सकती हैं। हल्के कढ़ाई वाले या मिस्टर वर्क वाले आउटफिट्स बहुत सुंदर लगते हैं। खाने या फिर दूध से बने हुए क्रीम कलर के बॉटम के साथ जॉस या पल्लो पहन सकती हैं। इससे आपको कम्फर्ट और स्टाइल दोनों मिलेंगे।
एक्सेसरीज और मेकअप टिप्स
पीले आउटफिट के साथ गोल्डन, ब्राइट या ग्रीन एक्सेसरीज बहुत अच्छी लगती हैं। कानों में झुमके, हाथों में चूड़ियां और माथे पर बिंदी आपके लुक को पूरा करती हैं। मेकअप में न्यूड या हल्के गोल्डन शेड्स का इस्तेमाल करें। लिपस्टिक में पीच या पिंक शेड्स अच्छे लगते हैं। बालों को खुला रखें या हल्की सी वेवी स्टाइल दें।
पुरुषों के लिए फैशन टिप्स
पुरुष भी इस दिन पीले रंग के कुर्ता-पायजामा या शर्ट पहन सकते हैं। यह सिंपल और क्लासी लुक देता है। आप इसे ब्राइट या क्रीम कलर के बॉटम के साथ धारण कर सकते हैं। इसके साथ कोल्लापुरी चप्पल या जूती पहनकर अपना लुक पूरा करें।

अचानक तेज सिरदर्द को न करें नजरअंदाज

सिरदर्द का महीना ब्रेन एव्यूरिज्म जागरूकता के रूप में मनाया जाता है। बहुत कम लोग इस समस्या के बारे में जानते हैं कि ब्रेन एव्यूरिज्म युवाओं को भी प्रभावित कर सकता है। ब्रेन एव्यूरिज्म उस स्थिति को कहते हैं, जब दिमाग तक खून पहुंचाने वाली रक्त वाहिका की दीवार का कमजोर हिस्सा फूलकर गुब्बारे जैसा हो जाता है। कई एव्यूरिज्म का पता नहीं चल पाता, क्योंकि उनमें कोई लक्षण नहीं होते और वो सालों तक बिना बदलाव के रह सकते हैं। लेकिन एव्यूरिज्म फटने पर दिमाग के आसपास ब्लीडिंग हो सकती है, जिसे सबरेक्ट्रिब्रंड हेमरेज कहा जाता है। यह जानलेवा आपातस्थिति बन सकती है।

लंबे समय तक बिना किसी लक्षण के रह सकता है। कई मामलों में इसका पहला संकेत अचानक एन्यूरिज्म का फटना और मस्तिष्क में रक्तस्राव हो सकता है।

ब्रेन एन्यूरिज्म के लक्षण
ब्रेन एन्यूरिज्म के लक्षण अलग-अलग हो सकते हैं। एन्यूरिज्म फटने पर आमतौर पर अचानक बेहद तेज सिरदर्द होता है, जो कुछ सेकंड या मिनटों में अपनी चरम तीव्रता तक पहुंच जाता है। इसके साथ उल्टी, गर्दन में अकड़न, बेहोशी, दौरे, शरीर के किसी हिस्से में कमजोरी, बोलने में परेशानी, देखने से जुड़ी समस्या या भ्रम जैसी स्थिति भी हो सकती है। कुछ मामलों में एन्यूरिज्म फटने से पहले भी लक्षण दिखाई दे सकते हैं। खासकर जब एन्यूरिज्म बड़ा होकर आसपास की नसों पर दबाव डालने लगे। ऐसे में आंख के आसपास लगातार दर्द, दोहरा दिखाई देने लगता है, पलक का झुकना या आंखों की रोशनी और आंखों की गतिविधियों में अचानक बदलाव हो सकता है। इन लक्षणों को कई बार माइग्रेन, आंखों की थकान या लंबे समय तक स्क्रीन देखने से जोड़ दिया जाता है। लेकिन अचानक या असामान्य न्यूरोलॉजिकल लक्षण दिखाई देने पर डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है।

उम्र के साथ अन्य जोखिम कारक

ब्रेन एन्यूरिज्म के खतरों को सिर्फ उम्र से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। परिवार में किसी करीबी सदस्य को ब्रेन एन्यूरिज्म रहा हो, कुछ अनुवर्षिक बीमारियां, हाई ब्लड प्रेशर और तंबाकू का सेवन जोखिम बढ़ा सकते हैं। जिन लोगों के परिवार में ब्रेन एन्यूरिज्म का इतिहास रहा है, उन्हें डॉक्टर से इसके बारे में सलाह लेनी चाहिए। युवाओं को भी नियमित रूप से ब्लड प्रेशर की जांच, शारीरिक गतिविधि बनाए रखने और तंबाकू से दूर रहने की आदत डालनी चाहिए।

जांच से स्थिति का समय पर पता लगाया जा सकता है
ब्रेन एन्यूरिज्म की आशंका होने पर सीटी एंजियोग्राफी या एमआर

जखुरत नहीं

जागरूकता का मतलब यह नहीं है कि हर सिरदर्द में ब्रेन स्केन कराया जाए या युवाओं में अनावश्यक डर पैदा हो। जरूरी यह है कि व्यक्ति उन लक्षणों को पहचाने जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और यह समझे कि किन परिस्थितियों में जोखिम बढ़ सकता है। ब्रेन एन्यूरिज्म युवाओं में अपेक्षाकृत कम हो सकता है, लेकिन केवल उम्र के आधार पर इसे पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता, खासकर जब लक्षण अचानक, गंभीर या असामान्य हों। इसलिए चेतावनी संकेतों को समझें, परिवार में बीमारी के इतिहास की जानकारी रखें और अचानक तेज या असामान्य लक्षण दिखाई देने पर तुरंत डॉक्टर की सलाह लें।

अग्रसेन जयंती पर दिवन सिटी में निकली शोभायात्रा

पारंपरिक परिधानों में सजे समाज जनों पर शहरवासियों ने की फूलों की वर्षा

दुर्ग-भिलाई। दिवन सिटी दुर्ग-भिलाई में महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव के अवसर पर अग्रवाल समाज द्वारा इस वर्ष बेहद भव्य, गरिमामयी और अनेखे ढंग से जयंती समारोह मनाया गया। उत्सव के अंतिम चरण में जहां दुर्ग शहर में समाज के लोग गौरवशाली पारंपरिक परिधानों में सड़कों पर उतरे, वहीं भिलाई के सेक्टर-6 में अग्रवाल समाज ने पहली बार रात्रिकालीन शोभायात्रा निकालकर एक नया इतिहास रच दिया।

दुर्ग में अग्रवाल समाज द्वारा भगवान अग्रसेन की जयंती पर विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शोभराज अग्रवाल एवं



समाज के वरिष्ठ जनों ने पूरे विधिविधान से 'अग्र ध्वज' दिखाकर इस भव्य यात्रा को रवाना किया। अग्रसेन भवन से शुरू हुई यह शोभायात्रा अग्रसेन चौक, इंदिरा मार्केट और गंजपारा जैसे शहर के प्रमुख

व्यावसायिक मार्गों से होकर गुजरी। यात्रा में समाज की महिलाएं पारंपरिक लाल साड़ियों में और पुरुष श्वेत कुर्ता-पायजामा पहने माता माधवी और महाराजा अग्रसेन के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। पूरे



मार्ग में दुर्ग के स्थानीय नागरिकों और सतरंगी सजे बाजारों के व्यापारियों द्वारा फूलों की भारी वर्षा कर शोभायात्रा का आत्मीय स्वागत किया गया। वहीं दूसरी ओर, भिलाई के सेक्टर-6 में अग्रवाल समाज ने इस



बार एक अनूठी और ऐतिहासिक शुरुआत की। भिलाई के इतिहास में पहली बार आयोजित की गई भव्य रात्रिकालीन शोभायात्रा ने हर किसी का ध्यान खींचा। दुर्धिया रोशनी और आसमान को चमकाती रंग-बिरंगी

आतिशबाजी के बीच निकली इस यात्रा का मुख्य आकर्षण बनारस की तर्ज पर की गई मां महालक्ष्मी और महाराजा अग्रसेन की भव्य महाआरती रही। इस आलौकिक और दिव्य दृश्य को देखने के लिए हजारों

दौरान समाज के लोगों के लिए खेलकूद, मटकी फेड़, ट्रेडिशनल साड़ी ट्रेपिंग और बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस जैसी कई मनोरंजक व ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही थीं, जिसका समापन इस भव्य नगर धूमण के साथ हुआ।

समाज को एकजुट करने का प्रयास- अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि इस तरह के वृहद आयोजनों से न केवल पूरा समाज एकजुट होता है, बल्कि हमारी युवा पीढ़ी को भी अपनी समृद्ध संस्कृति, गौरवशाली इतिहास और महाराजा अग्रसेन की से सिद्धांतों व पारंपरिकों को करीब से जानने और समझने का बेहतरीन अवसर मिलता है।

विकासखण्ड नवागढ़ में स्वैच्छिक रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

शिविर में 284 ने कराई स्वास्थ्य जांच एवं 40 लोगो ने किया रक्तदान

बेमेतरा। सेवा ही संकल्प अभियान के अंगरंग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ में स्वैच्छिक रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर जेजेयुट प्रतियोगिता ममगाई के निर्देशानुसार सीएमएचओ डॉ. शरद कोहड़े एवं खंड चिकित्सा अधिकारी नवागढ़ डॉ. एम.एम. रजा व बीएमओ सी. देवांगन के मार्गदर्शन में प्रातः 10:00 बजे से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ परिसर में आयोजित किया गया जो दैर्घ्य शाम तक आयोजन का शुभारंभ जनपद अध्यक्ष खोब्राबाद राम साहू, जनपद उपाध्यक्ष मती माया हीरा बारले, उपाध्यक्ष नगर पंचायत नवागढ़ शोम ठाकुर के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम के दौरान पार्षद विनोद साहू, विशेष लहरे, पार्षद प्रतिनिधि मनोष सेन, रमेश निषाद, जेजेएस सदस्य संतोष देवांगन, संपत साहू, बीएमओ डॉ. एम.एम. रजा, डॉ. एस.के. बघेल, डॉ.



लवनिश, डॉ. धीरेंद्र, डॉ. स्वाति, डॉ. चित्रा, डॉ. वेदंश नागपेयी, बीपीएम सी.के. देवांगन, यू.आर. ध्रुवे, के. टंडन सहित स्वास्थ्य विभाग के समस्त अधिकारी-कर्मचारी, मितानिन एवं प्रशिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारी, मितानिन एवं प्रशिक्षकों को सम्मानित किया गया। साथ ही 02 टीबी हिटग्राहियों को फूड बास्केट, 02 हिटग्राहियों को आयुष्मान कार्ड एवं 02 हिटग्राहियों को वय बंदना

कार्ड का वितरण के साथ रक्त दाताओं का प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों, गर्भवती माताओं, दुर्घटना में घायल व्यक्तियों एवं थैलेसीमिया पीड़ितों के लिए समय पर रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा आम जन को स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श प्रदान करना था। शिविर में कुल 284 व्यक्तियों की स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें 33 गर्भवती महिलाएं, 28 वृद्धजन शामिल हैं, 193 लोगों की

बीपी-ग्लूजर जांच की गई एवं कुल 40 यूनिट रक्त संग्रहण किया गया। कार्यक्रम के दौरान आने वाले समस्त हिटग्राहियों को एचआईवी, टीबी, एचपीवी टीकाकरण एवं समस्त स्वास्थ्य कार्यक्रमों की जानकारी एन. पासवान, संतोषी एवं विनेश्वर द्वारा प्रदान की गई। रक्तदान हेतु उपाध्यक्ष नगर पंचायत नवागढ़ शोम ठाकुर ने विशेष रुचि लेते हुए उनके नेतृत्व में पार्षद एवं युवा मोर्चा पदाधिकारियों द्वारा रक्तदान किया गया। महिला समूह के माध्यम से महिलाओं ने भी विशेष रुचि लेकर रक्तदान किया।

यू डाइस में लापरवाही पर जिला शिक्षा अधिकारी ने 120 शिक्षक, कर्मचारियों का रोकता वेतन

बेमेतरा। यू डाइस पोर्टल पर विद्यार्थियों, स्कूल और शिक्षकों की प्रोफाइल प्रविष्टि निर्धारित समय सीमा में पूरी नहीं करना, जिले के 17 शासकीय स्कूलों के संस्था प्रमुखों, शिक्षकों और कर्मचारियों को भारी पड़ गया। जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल ने इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए संबंधित स्कूलों में पदस्थ करीब 120 शिक्षकों कर्मचारियों का अक्टूबर 2026 का वेतन आगामी आदेश तक रोकने के निर्देश दिए हैं। शिक्षा सत्र 2026-27 के लिए यू डाइस पोर्टल पर स्कूल विद्यार्थी और शिक्षक प्रोफाइल का शत-प्रतिशत अद्यतन किया जाना अनिवार्य है। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से 27 जुलाई और 1 अक्टूबर को पत्र जारी कर समय पर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए थे। लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ में भी 23 सितंबर को आवश्यक निर्देश जारी किए थे। इसके बावजूद 3 अक्टूबर की निर्धारित अंतिम तिथि तक संबंधित स्कूलों में प्रोफाइल प्रविष्टि का कार्य पूरा नहीं किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि यू डाइस डाय एंटी का कार्य केवल संस्था प्रमुख की ही जिम्मेदारी नहीं है, इसमें स्कूल में पदस्थ समस्त

कर्मचारियों एवं शिक्षकों की सहभागिता और जवाबदेही है। निर्धारित समय में दायित्वों का निर्वहन नहीं करना छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के प्रावधानों के उल्लंघन की श्रेणी में माना गया है। इसी आधार पर संबंधित अमले का वेतन रोकने की कार्रवाई की गई है। जिन स्कूलों के संस्था प्रमुखों, कर्मचारियों एवं शिक्षकों के वेतन रोकने की कार्रवाई की गई है उनमें मिडिल स्कूल भोथीडीह, शाल, हेमाबंद, मुटपुरी, कन्या स्कूल देवकर, हायर सेकेंडरी स्कूलों में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालसमुंद, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धनसुली, शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेमेतरा, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जेवरी, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुसुमी, पीएम शिवलाल राठी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बेमेतरा, स्वामी आनंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय सिंचौरी, पीएम स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय देवबोजी, पीएम स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय नवागढ़, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टेमरी, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हाटरांका, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोण्डवरी शामिल हैं।

एसपी बंसल ने ती रक्षित केन्द्र बेमेतरा में पुलिस जवानों का जनरल परेड



दक्षीराजहरा। रक्षित केन्द्र बेमेतरा स्थित पुलिस फोर्ट ग्राउंड में आज पुलिस जनरल परेड का आयोजन किया गया। इस परेड की सलामी पुलिस अधीक्षक क्रिष्ण बंसल ने ली और परेड का निरीक्षण किया। इस आयोजन में जिले के सभी थाना/चौकी, पुलिस अधीक्षक कार्यालय टाफ, प्रविष्टि आ निरीक्षण, रज आरक्षक एवं विभिन्न शाखाओं से आए पुलिस अधिकारी और कर्मचारी सम्मिलित हुए। इस जनरल परेड का उद्देश्य पुलिस विभाग के अनुभवजन, तत्पता और प्रदर्शन को प्रदर्शित करना रहा। जन्मों ने टेलीकॉम परेड और विविध द्रिष्टों के माध्यम से अपने अनुशासन और कौशल का प्रदर्शन किया। परेड में अन्वी गणवेश धारण करते एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को सफाई का पद और उन्हें प्रोत्साहित किया गया। उन्होंने प्रविष्टि में और भी बेहतर कार्य निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने पुलिस बल को कानून व्यवस्था बनाए रखने, जनता को सुरक्षित प्रदान करने और अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पण करने के लिए प्रोत्साहित किया। एसपी क्रिष्ण बंसल ने बारी-बारी से शासकीय विभिन्न वाहनों, ड्रव्स टूल किट, ड्रव्स रजिस्टर व अन्य संसाधनों का निरीक्षण किया। उन्होंने वाहनों की वर्मान स्थिति और रखरखाव पर विशेष ध्यान देने और वाहन शाखा प्रभारी को आवश्यक सुधार हेतु दिशा-निर्देश भी प्रदान किए। इसके उपरांत पुलिस सम्मेलन आयोजित कर पुलिस अधीक्षक क्रिष्ण बंसल ने पुलिस अधिकारियों व जवानों से सीधा संबद्ध किया और उनकी बातों को गंभीरतापूर्वक सुन एवं उनकी व्यक्तित्व एवं सामूहिक समस्याओं के यथार्थ समाधान का आश्वासन दिया।

पुलिसकर्मियों की बेटी पर एसिड अटैक से हड़कंप विधायक अनिला का गृह मंत्री विजय शर्मा पर हमला, मांगा इस्तीफा

दक्षी राजहरा। बालोद जिले में एक पुलिसकर्मियों की 22 वर्षीय बेटी पर हुए एसिड अटैक की घटना पर दंडीलोहरा विधायक अनिला भोंडिया ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए प्रदेश की भाजपा सरकार और गृह मंत्री विजय शर्मा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जब पुलिसकर्मियों का परिवार ही सुरक्षित नहीं है, तो प्रदेश की आम बेटीयों की सुरक्षा की जिम्मेदारी आखिर कौन निभाएगा? भोंडिया ने कहा कि आमापरा लाइब्रेरी से पढ़ाई कर घर लौट रही छात्रा पर सिंचाई कालोनी में एसिड अटैक की घटना बेहद दर्दनाक और शर्मनाक है। इस हमले में छात्रा का चेहरा, आंख और शरीर का दाहिना हिस्सा बुरी तरह झूलसना प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यह घटना बताती है कि प्रदेश में बेटीयों की सुरक्षा को लेकर सरकार के दवां और जमीनी हकीकत के बीच कितना बड़ा अंतर है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अपराधों पर नियंत्रण और महिलाओं की सुरक्षा के बढ़े-बढ़े दवां करती है, लेकिन ऐसी घटनाएं सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती हैं। बेटीयों की सुरक्षा केवल भाषणों और विज्ञापनों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उन्हें भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। भोंडिया ने कहा कि गृह मंत्री विजय शर्मा बालोद जिले के प्रभारी मंत्री भी हैं। ऐसे में जिले में हुई यह



गंभीर घटना उनके लिए आत्ममंथन का विषय है। यदि सरकार प्रदेश की बेटीयों और आम नागरिकों को सुरक्षा देने में विफल है, तो गृह मंत्री को नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग की कि पीड़िता को तत्काल बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए, उसके उपचार और पुनर्वास की समुचित व्यवस्था की जाए तथा उसे उचित मुआवजा दिया जाए साथ ही, पीड़िता के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए उसकी शैक्षणिक योग्यता के अनुरूप शासकीय सेवा में नियुक्ति प्रदान करने पर भी सरकार गंभीरता से विचार करे। इस जघन्य घटना के आरोपी के विरुद्ध त्वरित एवं कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि पीड़िता और उसके परिवार को न्याय मिल सके। अनिला भोंडिया ने कहा कि छत्तीसगढ़ की बेटीयां डर और असुरक्षा के साये में जीने के लिए मजबूर नहीं हो सकतीं। उन्हें सम्मान, स्वतंत्रता और सुरक्षा के साथ जीवन जीने का पूरा अधिकार है। सरकार की जिम्मेदारी केवल अपराध के बाद कार्रवाई करना नहीं, बल्कि अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाकर नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास कायम करना भी है। यदि भाजपा सरकार यह जिम्मेदारी निधाने में असफल रहती है, तो गृह मंत्री विजय शर्मा को पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है और उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

शांति समिति की बैठक में नवरात्रि पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने पर हुई चर्चा

बेमेतरा। नगर में शांति, कानून-व्यवस्था एवं आपसी सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से रेस्ट हाउस में शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा सहित जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, जनप्रतिनिधियों एवं दुर्गा समिति के सदस्यों ने प्रमुख रूप से सहभागिता की। बैठक में नगर की शांति व्यवस्था बनाए रखने, आगामी धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने तथा नागरिकों के बीच आपसी भाईचारा और सामाजिक सदभाव कायम रखने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने आपसी समन्वय के साथ त्योहारों को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने पर जोर दिया। नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि बेमेतरा नगर की पहचान आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सदभाव से है। सभी नागरिकों एवं आयोजन समितियों की जिम्मेदारी है कि वे प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर त्योहारों को शांतिपूर्ण



एवं व्यवस्थित तरीके से मनाएं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि नगर की शांति एवं सौहार्द बनाए रखने में सहयोग करें और सभी पर्वों को मिल-जुलकर उत्साह के साथ मनाएं। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों ने भी शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा आयोजनों के दौरान आवश्यक सावधानियों और व्यवस्थाओं पर चर्चा की। सभी से अपील की गई कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और नगर में शांति एवं सद्भाव बनाए रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ, एसडीएम पोटाई,

एडिशनल एसपी यादव, तहसीलदार मिश्रा, थाना प्रभारी ग्वाला, शहर मंडल अध्यक्ष युगल देवांगन, नगर पालिका उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, सभापति गौरव साहू, सभापति पंचू साहू, सभापति मती नीतू कोठारी, पार्षद निखिल साहू, एलडरमैन राकेश मोहन शर्मा, पत्रकार दुर्गा सहित दुर्गा समिति के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य नगर में शांति, सुरक्षा और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करना तथा सभी आयोजनों को प्रशासन एवं नागरिकों के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न कराना रहा।

गंजपारा में गूजेंगे मां के जयकारे, सजेगा देश के ख्यातिलब्ध कवियों का मंच

श्री गंजपारा दुर्गा उत्सव समिति के 59वें वर्ष में छत्तीसगढ़ी लोक कला और अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन, आकर्षक झाकियों से सज रही गंज मंडी



दुर्गा। शहर की प्रतिष्ठित एवं प्राचीन 'श्री गंजपारा दुर्गा उत्सव समिति' द्वारा प्रारंभ की भाति इस वर्ष भी शारदीय नवरात्र पर्व बेहद गरिमाय और धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस वर्ष समिति अपनी स्थापना का 59वां गौरवशाली वर्ष मना रही है। आयोजन के तहत 11 अक्टूबर, दिन रविवार को सुबह 10:00 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मां जगदम्बा की भव्य प्रतिमा की स्थापना की जाएगी। पूरे उत्सव के दौरान आकर्षक लाइटों की साज-सज्जा और मनोरम झांकियां यहां आने वाले

श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेंगी। निशुल्क सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मंचेगी धूम-समिति द्वारा इस वर्ष भी आम जनता को श्रद्धालुओं के लिए कई बड़े और भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जो पूरी तरह से निशुल्क रहेंगे। कार्यक्रमों की श्रृंखला * 14 अक्टूबर (बुधवार, रात्रि 8:30 बजे): लोक कला मंच के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध लोक गायिका स्वर्णा दिवाकर और गरिमा



दिवाकर बहनों द्वारा शानदार छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी जाएगी। * 16 अक्टूबर (शुक्रवार, रात्रि 8:30 बजे): छत्तीसगढ़ी फिल्मों के सुपरस्टार विवेक शर्मा की 'स्टार नाइट' का आयोजन होगा, जिसमें वे अपने गीतों और अभिनय से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। 17 अक्टूबर को सजेगा 'अखिल भारतीय कवि सम्मेलन'- समिति अपनी वर्षों पुरानी परंपरा का निर्वहन करते हुए इस वर्ष भी गंज मंडी के पावन प्रांगण में राष्ट्रीय स्तर के 'अखिल भारतीय

कवि सम्मेलन' का आयोजन कर रही है। 17 अक्टूबर, शनिवार को रात्रि 8:30 बजे से शुरू होने वाले इस कवि सम्मेलन में देश के कोने-कोने से आमंत्रित दिग्गज कवि अपनी कविताओं का पाठ करेंगे, जिनमें मुख्य रूप से शामिल हैं: * सुदीप भोला (पेरौडी - दिल्ली) * अखिलेश द्विवेदी (हास्य - प्रयागराज) * चंदन राय (गीतकार - मुंबई) * एकाग्र शर्मा (हास्य - इंदौर) * हिमांशु बवंडर (हास्य - उज्जैन)



* अल्पना आनंद (गीत - नालंद) * मयंक शर्मा (ओज एवं मंच संचालक - दुर्ग)। जनप्रतिनिधि और अधिकारी होंगे शामिल- इन सभी गरिमाय आयोजनों में जिले के समस्त वरिष्ठ जनप्रतिनिधि, कैबिनेट मंत्री, सांसद, विधायक, महापौर, पार्षद सहित प्रशासनिक और पुलिस विभाग के अलावा अधिकारी बतौर अतिथि अपनी उर्ध्वस्थिति दर्ज कराएंगे। महाप्रसादी भंडारा और भव्य विसर्जन

यात्रा- शारदीय नवरात्र के समापन पर समिति द्वारा विशाल महाप्रसादी भंडारे का आयोजन किया गया है, जो 20 अक्टूबर, दिन मंगलवार को दोपहर 12:15 बजे से प्रारंभ होगा। इसके पश्चात अगले दिन 21 अक्टूबर, बुधवार को सुबह 10:00 बजे मां जगदम्बा की भव्य प्रतिमा की विसर्जन शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह विसर्जन यात्रा गंजपारा के विभिन्न मार्गों का धूमण करते हुए शिवनाथ नदी तट पर जाकर संपन्न होगी।